मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्ष: 8 अंक 215
गुरुवार, 19 फरवरी 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

राज्यसभा चुनाव का ऐलान, 10 राज्यों की 37 सीटों पर 16 मार्च को होगी वोटिंग

नई दिल्ली, 18 फरवरी। भारतीय चुनाव आयोग (एउक) ने बुधवार (18 फरवरी, 2026) को राज्यसभा की 37 सीटों के लिए द्विवार्षिक चुनावों की घोषणा कर दी है। ये सीटें अप्रैल 2026 में विभिन्न तारीखों पर खाली हो रही हैं। चुनाव आयोग के अनुसार, इन सीटों को भरने के लिए 16 मार्च को मतदान होगा। चुनाव 10 राज्यों: महाराष्ट्र, ओडिशा, तेलंगाना, तमिलनाडु, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, असम, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और बिहार में होंगे। मौजूदा सदस्य इस साल रिटायर हो रहे हैं, इसलिए चुनाव जरूरी हो गए हैं।

राज्यसभा की सबसे ज्यादा 7 सीटों पर चुनाव महाराष्ट्र में होंगे, जबकि तमिलनाडु में 6 और पश्चिम बंगाल और बिहार में छह-छह सीटें खाली हो रही हैं। ओडिशा में 4 सीटें खाली होंगी। असम में 3 सीटों पर चुनाव होंगे। छत्तीसगढ़ और हरियाणा में 2-2 सीटों पर चुनाव होंगे, और तेलंगाना में भी। हिमाचल प्रदेश में 1 सीट पर चुनाव होगा

महाराष्ट्रः खाली हो रही 7 सीटों में से, BJP और NCP-SP के पास दो-दो सीटें हैं, जबकि कांग्रेस और रामदास अठावले की RPI (A) के पास एक-एक सीट है। उद्धव ठाकरे की शिवसेना UBT के पास भी एक सीट है। राज्य में एक जाने-माने रिटायर हो रहे सदस्य शरद पवार हैं। सत्ताधारी नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस को राज्य में बहुमत मिलने वाला है।

तमिलनाडुः चुनावी राज्य में यथास्थिति बनी रहेगी, अभी DMK: 4, AIADMK: 1 और TMC-M: 1 सीटें हैं। इसका मतलब है कि इंडिया ब्लॉक को 4 सीटें और NDA को दो सीटें मिलेंगी।

पश्चिम बंगालः एक और चुनावी राज्य जहां BJP ममता बनर्जी की TMC को चुनौती देने वाली है। भगवा पार्टी राज्य में अपना खाता खोलने वाली है। अभी TMC: 4 और CPI-M: 1 है, जिसका मतलब है कि BJP को CPI-M से एक सीट मिलेगी - यह लेफ्ट पार्टी है जो राज्य में तेजी से अपनी जमीन खो रही है।

बिहारः 5 राज्यसभा सीटें खाली होने वाली हैं। इनमें से 2 अभी जेडीयू, 2 आरजेडी और 1 राष्ट्रीय लोक मोर्चा के पास हैं। गठबंधन के हिसाब से, खाली हो रही सीटों में से 3 नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस की पार्टियों की हैं, जबकि 2 सीटें इंडिया ब्लॉक के हिस्सेदारों के पास हैं।

सुप्रीम कोर्ट की इलाहाबाद हाई कोर्ट को फटकार, रेप की कोशिश नहीं वाला विवादित फैसला किया रद्द

नई दिल्ली, 18 फरवरी। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में इलाहाबाद हाई कोर्ट के मार्च 2025 के फैसले को रद्द कर दिया, जिसमें दो आरोपियों के खिलाफ रेप की कोशिश के आरोपों को कम गंभीर अपराध माना गया था। कोर्ट ने कहा कि हाई कोर्ट ने एक महिला के ब्रेस्ट को पकड़ने, उसके पायजामे का नाड़ा तोड़ने और उसे पुलिया के नीचे खींचने जैसे कथित कामों को गलत तरीके से सिर्फ तैयारी माना था, न कि रेप करने की ₹कोशिश₹। ऐसा करते हुए, टॉप कोर्ट ने हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ दायर अपील को भी स्वीकार कर लिया है और आरोपी दोनों के खिलाफ POCSO एक्ट की धारा 18 के साथ IPC की धारा 376 के तहत रेप की कोशिश के आरोपों पर कासगंज के स्पेशल जज (POCSO) द्वारा जारी किए गए ओरिजिनल समन को बहाल कर दिया है।

चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और एन.वी. अंजारिया की बेंच ने नेशनल ज्यूडिशियल एकेडमी, भोपाल से सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस अनिरुद्ध बोस की अगुवाई में एक एक्सपर्ट कमेटी बनाने को भी कहा है। यह कमेटी सेक्सुअल ऑफेंस और दूसरे कमजोर मामलों से निपटने के दौरान जजों और ज्यूडिशियल प्रोसेस में सेंसिटिविटी और कम्पैशन पैदा करने के मकसद से ड्राफ्ट गाइडलाइंस बनाएगी। कोर्ट ने कहा कि कमिटी यह काम तीन महीने के अंदर पूरा कर लेगी। रेप की कोशिश के मामले में, टॉप कोर्ट इलाहाबाद HC से सहमत नहीं था और कहा कि असल आरोप तैयारी से कहीं ज्यादा थे।

टॉप कोर्ट ने कहा इन आरोपों को सिर्फ.देखने से ही इस बात में जरा भी शक नहीं रह जाता कि आरोपी लोग क्ढउ की धारा 376 के तहत उस पर जुर्म करने के पहले से तय इरादे से आगे बढ़े थे।

'हम बार-बार झुकने वाले नहीं', मुख्यमंत्री स्टालिन की केंद्र को चेतावनी

तमिलनाडु, 18 फरवरी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने बुधवार को तमिलनाडु विधानसभा में संविधान में संशोधन की मांग करते हुए राज्य सरकारों को स्वायत्त निकायों में बदलने की बात कही और केंद्र पर सारी शक्ति अपने पास रखने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु को ऐसी स्थिति में धकेल दिया गया है जहां उसे अपने हक के फंड पाने के लिए केंद्र सरकार से संघर्ष करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि हम ऐसी स्थिति में हैं जहां हमें हर फंड के लिए केंद्र सरकार से लड़ना पड़ता है। कब तक हम इस स्थिति में रहेंगे जहां वे देते हैं और हम लेते हैं? केंद्र-राज्य संबंधों का अध्ययन करने के लिए गठित उच्च स्तरीय समिति की रिपोर्ट का पहला भाग विधानसभा में पेश कर दिया गया है। स्टालिन ने कहा कि संविधान में संशोधन करके राज्य सरकारों को पूर्ण रूप से सशक्त सरकारों में बदलना होगा। सभी राज्यों को स्वायत्तता मिलनी चाहिए। हम अभी भी ऐसी स्थिति में हैं जहां हमें भूमि और वित्तीय शक्तियों पर अधिकार सुरक्षित करने के लिए संघर्ष करना पड़ता है। मुख्यमंत्री स्टालिन ने इस बात पर जोर दिया कि भारत जैसे विविधतापूर्ण देश के लिए संघवाद आधारशिला है और राज्य सरकारों के परिवर्तन की मांग को दोहराया। उन्होंने केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि उसने राज्य सरकारों का सम्मान किए बिना सारी शक्ति अपने हाथ में ले रखी है।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार, जिसने सारी शक्तियां अपने पास रखी हैं, राज्य सरकारों का सम्मान नहीं करती। हम कब तक इस स्थिति में रहेंगे जहां वे देते हैं और हम केवल लेते हैं? भारत जैसे विविधतापूर्ण देश के लिए संघवाद आधारशिला है। सभी राज्यों को स्वायत्तता मिलनी चाहिए। हम बार-बार झुकने वाले लोग नहीं हैं। हमें राज्य स्वायत्तता और केंद्र में संघवाद चाहिए; तभी हम सुशासन बहाल कर सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह किसी एक राजनीतिक दल की मांग नहीं है, बल्कि राजनीतिक मतभेदों से परे, सभी को राज्य स्वायत्तता की मांग को स्वीकार करना होगा। उन्होंने आगे कहा कि केंद्र सरकार, जिसने सारी शक्तियां अपने हाथों में केंद्रित कर रखी हैं, राज्य सरकारों का सम्मान नहीं करती।

बठिंडा में किसानों-पुलिस में टकराव, दोनों तरफ से पत्थरबाजी, हालात तनावपूर्ण

बठिंडा, 18 फरवरी। भारतीय किसान यूनियन एकता उगराहा के आह्वान पर बठिंडा स्थित डिप्टी कमिश्नर कार्यालय का घेराव करने जा रहे किसानों और पुलिस के बीच बुधवार को जोरदार टकराव हो गया। जिओंद गांव के पास किसानों को रोकने की पुलिस की कोशिश के दौरान स्थिति उस समय बिगड़ गई, जब दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और झड़प शुरू हो गई।

जानकारी के अनुसार, किसान अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे और आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे थे। पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए बैरिकेडिंग की हुई थी। इसी दौरान कहासुनी बढ़ गई और हालात अचानक तनावपूर्ण हो गए। मौके पर दोनों तरफ से पत्थरबाजी होने की भी खबर है, जिससे कई लोगों के घायल होने की सूचना मिली है।

स्थिति को काबू करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े और अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया।

अधिकारियों द्वारा लगातार हालात पर नजर रखी जा रही है। बठिंडा की एसएसपी ज्योति यादव ने बताया कि स्थिति अब नियंत्रण में है और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाए गए हैं। पुलिस का कहना है कि हालात पूरी तरह अंडर कंट्रोल हैं। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बना हुआ है, हालांकि प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है।

चंद्र नववर्ष की खुशियां मातम में बदलीं: चीन में पटाखे बने काल, 12 लोगों की मौत

चीन। चीन में चंद्र नववर्ष के जश्न के बीच एक बड़ा हादसा सामने आया है। ज्ञ्ल्लं के हुबेई प्रांत में पटाखों की एक दुकान में हुए जोरदार विस्फोट में 12 लोगों की मौत हो गई।आधिकारिक समाचार एजेंसी ल्लँ४ के अनुसार, यह हादसा मध्य हुबेई प्रांत के जियांगयांग शहर में हुआ, जहां बुधवार को पटाखों की दुकान में आग लग गई। आग पर दोपहर तक काबू पा लिया गया, लेकिन तब तक 12 लोगों की जान जा चुकी थी। विस्फोट के कारणों की जांच जारी है।

चीन में चंद्र नववर्ष के दौरान आतिशबाजी का विशेष महत्व होता है, लेकिन इसी वजह से हर साल कई गंभीर दुर्घटनाएं भी सामने आती हैं। इससे पहले रविवार को पूर्वी जिआंगसू प्रांत में हुई इसी तरह की घटना में आठ लोगों की मौत हो गई थी और दो लोग घायल हुए थे। लगातार हो रहे इन हादसों ने चंद्र नववर्ष के दौरान पटाखों की बिक्री, भंडारण और उपयोग से जुड़े सुरक्षा इंतजामों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

पश्चिम बंगाल में बीजेपी का चुनावी शंखनाद, 9 'परिवर्तन यात्राओं' के साथ शुरू होगा मेगा कैंपेन

कोलकता, 18 फरवरी। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव पास आने के साथ ही, भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं, और राज्य के अलग-अलग हिस्सों से नौ परिवर्तन रथ यात्राएं शुरू करने का प्लान बनाया है। यह बीजेपी के 2021 के चुनाव कैंपेन जैसा ही है। यात्रा का पहला फेज 1 मार्च को कूच बिहार साउथ, कृष्णानगर साउथ गढ़बेता और रायदिघी कुल्टी से शुरू होगा। दूसरा फेज 2 मार्च को इस्लामपुर, संदेशखली, हासन और अमता से शुरू होगा। होली के मौके पर 3 और 4 मार्च को कोई यात्रा नहीं निकाली जाएगी। कैंपेन 5 मार्च को फिर से शुरू होगा।

5 से 10 मार्च के बीच, बीजेपी हर विधानसभा सीट पर 5,000 km से ज्यादा की यात्रा करेगी। कुल मिलाकर, 60 बड़ी पब्लिक मीटिंग और 300 से ज्यादा छोटी पब्लिक मीटिंग होंगी। बंगाल बीजेपी नेता सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि यह रथ यात्रा नहीं है। यह परिवर्तन यात्रा है। यह बंगाल में बदलाव लाने के लिए होगा। यह दूसरे राज्यों में भी हुआ है, इसलिए हम इसे बंगाल में भी आयोजित कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कोलकाता के मशहूर ब्रिगेड परेड ग्राउंड में होने वाली आखिरी रैली में शामिल होंगे।

बीजेपी चीफ नितिन नवीन, पार्टी के पूर्व प्रेसिडेंट और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, नितिन गटकरी, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और स्मृति ईरानी यात्रा के उद्घाटन में शामिल होंगे।

मां-भाई की आंखों में मिर्च झोंककर युवती का अपहरण

पुणे। एक सीनियर पुलिस अधिकारी ने बुधवार को बताया कि पुणे में दो लोगों ने 21 साल की एक लड़की को किडनैप कर लिया, जब वह अपनी मां और भाई के साथ थी। इस पर लोगों ने कड़ी प्रतिक्रिया दी और विरोध प्रदर्शन किया। कल रात पुणे जिले में पुणे रूरल पुलिस के तहत भिगवान पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया। पुणे रूरल पुलिस के डिप्टी सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस, गणेश बिरादर ने कहा कि आरोपियों की पहचान जहीर हारून शेख और अयान हारून शेख के तौर पर हुई है। उन्होंने अपनी बाइक रोकी और पीड़िता की मां और भाई की आंखों में लाल चटनी फेंककर उसे किडनैप कर लिया।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

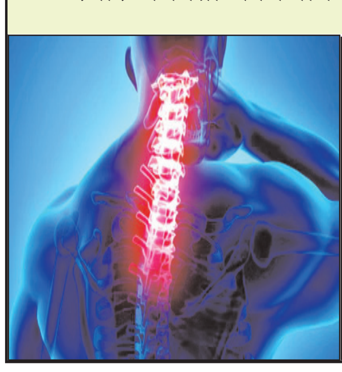

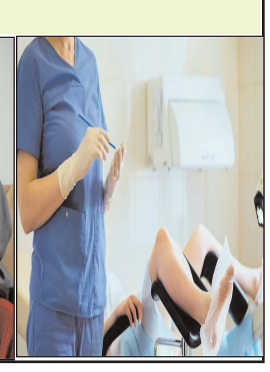

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg.
Near Diamond Talkies,
L. T. Road, Borivali (West)
Mumbai - 400 092
Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
- Std. XI & XII (Sci.)
- NEET
- JEE (Main & Advance)
- MHT-CET
- Polytechnic & Engg
- Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

विकास का संकल्प : ट्रिपल इंजन से बदलेगी दिल्ली की तस्वीर

-ललित गर्ग

वर्ष 2026-27 के केंद्रीय बजट में दिल्ली के लिए 70 हजार करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि का प्रावधान केवल एक आर्थिक घोषणा नहीं, बल्कि राजधानी के भविष्य की रूपरेखा है। सड़क, रेल परिवहन, मेट्रो विस्तार, जल आपूर्ति, स्वास्थ्य, शिक्षा, प्रदूषण नियंत्रण और पुलिस व्यवस्था जैसे बुनियादी क्षेत्रों पर विशेष ध्यान यह संकेत देता है कि केंद्र सरकार दिल्ली को एक सुव्यवस्थित, आधुनिक और आदर्श महानगर के रूप में विकसित करना चाहती है। ऐसे समय में जब दिल्ली की भाजपा सरकार अपना एक वर्ष पूर्ण कर रही है, यह स्वाभाविक है कि बीते वर्ष के कामकाज का मूल्यांकन किया जाए और देखा जाए कि तथाकथित ह्लट्रिपल इंजन सरकारह्व का लाभ दिल्लीवासियों को कितना और कैसे मिला है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने कार्यकाल के एक वर्ष पूर्ण होने पर सरकार की उपलब्धियों और आगामी संकल्पों का उल्लेख करते हुए दावा किया कि उनकी सरकार ने न केवल नई योजनाओं की शुरूआत की, बल्कि पूर्ववर्ती सरकारों की लंबित और अधूरी परियोजनाओं को भी गति दी है। ह्यदिल्ली लखपति बिटिया योजनाह्न, मुफ्त एलपीजी सिलेंडर, अधूरी पड़ी आधारभूत परियोजनाओं को पूरा करने की पहल, तथा महिलाओं और छात्रों के लिए नई राहतकारी योजनाओं का खाका-ये सब उनके पहले वर्ष के प्रमुख बिंदु रहे। उनका यह भी कहना है कि ट्रिपल इंजन की व्यवस्था-अर्थात केंद्र, राज्य और नगर निकाय में एक ही राजनीतिक नेतृत्व के कारण विकास कार्यों में समन्वय और गति दोनों आई है।

ट्रिपल इंजन सरकार की अवधारणा का सबसे बड़ा लाभ वित्तीय समन्वय के रूप में सामने आया है। दिल्ली सरकार को अब पूंजीगत व्यय के लिए ऋण अपेक्षाकृत कम ब्याज दर पर उपलब्ध हो रहा है। पहले जहां ब्याज दर 13-14 प्रतिशत तक पहुंच जाती थी, वहीं अब लगभग सात प्रतिशत पर ऋण मिलना संभव हुआ है। केंद्र सरकार द्वारा 21 हजार करोड़ रुपये तक की ऋण सीमा निर्धारित किए जाने से आधारभूत ढांचे के विकास में धनाभाव की आशंका कम हुई है। यही नहीं, प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन तथा पीएम भीम योजना जैसी केंद्रीय योजनाओं की समयावधि बढ़वाने में भी दिल्ली सरकार को सफलता मिली है। आयुष्मान भारत जैसी जनकल्याणकारी योजना का लाभ अब राजधानी के अधिक से अधिक नागरिकों तक पहुंच रहा है, जिससे गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को स्वास्थ्य सुरक्षा की ठोस गारंटी मिल रही है।

स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार के संकेत अवश्य दिखाई दिए हैं। मोहल्ला क्लीनिक मॉडल पर उठे प्रश्नों और अधूरी स्वास्थ्य परियोजनाओं के बीच नई सरकार ने अस्पतालों के आधुनिकीकरण, बेड क्षमता बढ़ाने और डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। यदि यह प्रयास निरंतरता से जारी रहा तो दिल्ली को राष्ट्रीय राजधानी के अनुरूप विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकती हैं। शिक्षा के क्षेत्र में भी पारदर्शिता और गुणवत्ता सुधार का दावा किया गया है। पिछले वर्षों में शिक्षा मॉडल को लेकर जहां एक ओर प्रशंसा हुई, वहीं भवनों की गुणवत्ता, संसाधनों के उपयोग और परिणामों पर सवाल भी उठे। नई सरकार के लिए यह चुनौती है कि वह शिक्षा को राजनीतिक विमर्श से ऊपर उठाकर वास्तविक गुणवत्ता सुधार की दिशा में कार्य करे।

परिवहन और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में भी गति लाने का प्रयास हुआ है। मेट्रो नेटवर्क के विस्तार, बस बेड़े के आधुनिकीकरण और सड़कों के सुधार की योजनाएं केंद्र और राज्य के समन्वय से आगे बढ़ रही हैं। दिल्ली मेट्रो पहले से ही राजधानी की जीवनरेखा रही है, अब किराए में राहत या छात्रों के लिए विशेष प्रावधान जैसे कदम यदि लागू होते हैं तो इससे आम जनता को सीधा लाभ मिलेगा। यातायात जाम की समस्या के समाधान के लिए फ्लाईओवर, अंडरपास और स्मार्ट ट्रैफिक प्रबंधन प्रणाली पर ध्यान देना आवश्यक है। एक वर्ष में कुछ परियोजनाओं को गति मिली है, किंतु राजधानी जैसे विशाल महानगर में ठोस परिणामों के लिए निरंतर प्रयास अपेक्षित हैं।

सबसे बड़ी चुनौती पर्यावरण और वायु प्रदूषण की है। बीते दशक में दिल्ली विश्व के सर्वाधिक प्रदूषित शहरों में गिनी जाने लगी। यह केवल आंकड़ों का विषय नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य का संकट है। मुख्यमंत्री ने वायु प्रदूषण नियंत्रण के लिए ठोस योजनाओं का उल्लेख किया है-जैसे हरित आवरण बढ़ाना, निर्माण कार्यों पर निगरानी, सार्वजनिक परिवहन को प्रोत्साहन और पड़ोसी राज्यों के साथ समन्वय। परंतु यह भी सत्य है कि प्रदूषण जैसी जटिल समस्या का समाधान केवल घोषणाओं से संभव नहीं, इसके लिए कठोर क्रियान्वयन, क्षेत्रीय सहयोग और जनसहभागिता की आवश्यकता होगी। यमुना की सफाई भी दिल्ली की अस्मिता से जुड़ा प्रश्न है। वर्षों से यमुना शुद्धिकरण के नाम पर योजनाएं बनती रहीं, बजट खर्च होता रहा, पर परिणाम संतोषजनक नहीं रहे। वर्तमान सरकार ने यमुना को स्वच्छ और पर्यटन योग्य बनाने का संकल्प दोहराया है। यदि सीवेज प्रबंधन, औद्योगिक अपशिष्ट नियंत्रण और नदी तट के पुनर्विकास की योजनाएं समयबद्ध तरीके से लागू होती हैं, तो यह दिल्ली की छवि को नया आयाम दे सकती हैं। यमुना का पुनर्जीवन केवल पर्यावरणीय मुद्दा नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और आर्थिक पुनरुत्थान का भी अवसर है।

महिलाओं और बेटियों के लिए घोषित योजनाएं-जैसे ह्यलखपति बिटिया योजनाह्न-सामाजिक सशक्तिकरण की दिशा में सकारात्मक कदम मानी जा सकती हैं। यदि इन योजनाओं का लाभ वास्तविक पात्रों तक पारदर्शिता से पहुंचता है, तो यह परिवारों की आर्थिक सुरक्षा और शिक्षा के अवसरों को बढ़ा सकता है। मुफ्त एलपीजी सिलेंडर जैसी पहल घरेलू अर्थव्यवस्था में राहत देती है, विशेषकर निम्न आय वर्ग के लिए। किंतु इन योजनाओं की सफलता क्रियान्वयन की गुणवत्ता पर निर्भर करेगी। एक वर्ष की अवधि किसी भी सरकार के लिए बहुत बड़ी नहीं होती, विशेषकर तब जब उसे पिछली सरकारों की अधूरी परियोजनाओं और व्यवस्थागत खामियों को भी दुरुस्त करना हो। यह भी सच है कि राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के बीच विकास का वास्तविक आकलन कठिन हो जाता है। नई सरकार ने पूर्ववर्ती शासन की कमियों-जैसे कथित भ्रष्टाचार, अधूरी इमारतें, प्रदूषण नियंत्रण में विफलता को सुधारने का दावा किया है। किंतु जनता अब केवल आरोप नहीं, परिणाम देखना चाहती है। आने वाले वर्षों के लिए सरकार के सामने स्पष्ट लक्ष्य होने चाहिए-स्वच्छ वायु, स्वच्छ यमुना, सुगम यातायात, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुलभ स्वास्थ्य और पारदर्शी प्रशासन। राजधानी होने के नाते दिल्ली को केवल भारत का प्रशासनिक केंद्र नहीं, बल्कि आदर्श शहरी मॉडल बनना चाहिए। इसके लिए आवश्यक है कि बजट में आवंटित राशि का पूर्ण और पारदर्शी उपयोग हो, परियोजनाएं समयबद्ध पूरी हों और जनभागीदारी को प्रोत्साहन मिले।

ट्रिपल इंजन सरकार का वास्तविक अर्थ तभी सिद्ध होगा जब समन्वय का लाभ जमीन पर दिखाई दे। केंद्र और राज्य के बीच टकराव की राजनीति के स्थान पर सहयोग की भावना यदि कायम रहती है, तो दिल्ली विकास की नई ऊंचाइयों को छू सकती है। एक वर्ष में कुछ सकारात्मक संकेत अवश्य मिले हैं, परंतु अभी लंबी यात्रा शेष है। सरकार को अपनी उपलब्धियों का प्रचार करने के साथ-साथ कमियों का ईमानदार आत्ममंथन भी करना होगा। दिल्ली की जनता जागरूक है और अपेक्षाएं भी बड़ी हैं। वह केवल वादों से संतुष्ट नहीं होगी, उसे परिणाम चाहिए। यदि रेखा गुप्ता सरकार अपने संकल्पों को धरातल पर उतारने में सफल होती है, तो आने वाले वर्षों में दिल्ली सचमुच एक स्वच्छ, स्वस्थ, सुरक्षित और आधुनिक महानगर के रूप में उभर सकती है। यही समय है जब बजट की घोषणाओं को विकास की वास्तविक कहानी में बदला जाए और राजधानी को समस्याओं के प्रतीक से समाधान के मॉडल में परिवर्तित किया जाए।

होलाष्टकः उत्सव से पहले आत्मसंयम, आस्था और प्रतीक्षा की परीक्षा

-सुरेश गांधी

होलाष्टक होली पर्व से पूर्व आने वाला वह विशेष कालखंड है, जिसे धार्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। यह अवधि होलिका दहन से ठीक आठ दिन पहले आरंभ होती है और परंपरागत रूप से इसे शुभ एवं मांगलिक कार्यों के लिए वर्जित माना गया है। लोकमान्यताओं और ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार इस समय ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति अस्थिर मानी जाती है, जिसके कारण विवाह, गृह प्रवेश, यज्ञोपवीत जैसे मांगलिक कार्यों से परहेज किया जाता है। होलाष्टक केवल वर्जनाओं का प्रतीक नहीं, बल्कि आत्मसंयम, भक्ति और आध्यात्मिक साधना का अवसर भी माना जाता है। इस अवधि में श्रद्धालु पूजा-पाठ, जप-तप और धार्मिक अनुष्ठानों के माध्यम से आत्मशुद्धि का प्रयास करते हैं। मान्यता है कि यह काल मनुष्य को सांसारिक मोह-माया से हटाकर आंतरिक चेतना और सकारात्मक ऊर्जा की ओर प्रेरित करता है। धार्मिक कथाओं में भी इस समय को बुराई से अंत और अच्छाई की स्थापना से जोड़ा गया है। होलाष्टक के समापन के साथ ही होलिका दहन किया जाता है, जो अहंकार, अन्याय और नकारात्मक शक्तियों के विनाश का प्रतीक माना जाता है। यह अग्नि केवल पौराणिक घटना का स्मरण नहीं कराती, बल्कि जीवन में व्याप्त नकारात्मक प्रवृत्तियों को समाप्त करने का संदेश भी देती है. समग्र रूप से होलाष्टक भारतीय संस्कृति के उस जीवन दर्शन को दर्शाता है, जिसमें उत्सव से पहले अनुशासन, संयम और साधना को महत्व दिया गया है। यह परंपरा समाज को यह संदेश देती है कि जीवन में उल्लास और आनंद तभी सार्थक है, जब वह आत्मसंयम और आध्यात्मिक संतुलन के साथ जुड़ा हो

भारत त्योहारों की भूमि है। यहां प्रत्येक पर्व केवल उत्सव नहीं बल्कि जीवन दर्शन, सामाजिक समरसता और आध्यात्मिक चेतना का संदेश देता है। इन्हीं पर्वों में रंगों का महापर्व होली भारतीय संस्कृति की जीवंतता और सामाजिक एकता का प्रतीक माना जाता है. देशभर में रंगों के महापर्व होली की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं, लेकिन उल्लास और उमंग से पहले सनातन परंपरा एक ठहराव का संदेश देती है, होलाष्टक। फाल्गुन मास के शुक्ल पक्ष की अष्टमी से लेकर पूर्णिमा की रात होलिका दहन तक की आठ दिवसीय अवधि को होलाष्टक कहा गया है। होलाष्टक शब्द दो शब्दों, ह्यहोलीह्न और ह्यअष्टकह्न से मिलकर बना है, जिसका अर्थ है होली से पहले आने वाली आठ दिनों की अवधि। यह वही समय होता है जब समाज होली की तैयारियों में जुट जाता है, लेकिन धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस अवधि में मांगलिक कार्यों से दूरी बनाने की सलाह दी जाती है।

यह समय केवल तिथियों का क्रम नहीं, बल्कि आत्मसंयम, साधना और चेतना का काल माना गया है। शास्त्रों के अनुसार इन आठ दिनों में ग्रह उग्र स्वभाव में रहते हैं। अष्टमी को चंद्रमा, नवमी को सूर्य, दशमी को शनि, एकादशी को शुक्र, द्वादशी को गुरु, त्रयोदशी को बुध, चतुर्दशी को मंगल और पूर्णिमा को राहु प्रभावी माने जाते हैं। ग्रहों की इस उग्रता का प्रभाव मनुष्य के मन, निर्णय और कर्मों पर पड़ता है। यही कारण है कि विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन, नई शुरूआत जैसे सभी मांगलिक कार्य इस अवधि में वर्जित माने गए हैं। मतलब साफ है होली का उत्सव केवल रंग खेलने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके पीछे गहराई से जुड़ी धार्मिक मान्यताएं, पौराणिक कथाएं, वैज्ञानिक आधार और सामाजिक परंपराएं भी शामिल हैं। शास्त्रों के अनुसार होलाष्टक का समय आत्मसंयम, साधना और आध्यात्मिक चिंतन का काल माना जाता है। मान्यता है कि इस दौरान ग्रहों की स्थिति उग्र होती है, जिसका प्रभाव मनुष्य के मानसिक और सामाजिक जीवन पर पड़ सकता है।

होलाष्टक की तिथियां एवं शुभ मुहूर्त

इस साल होलाष्टक का आरंभ 24 फरवरी (मंगलवार) को फाल्गुन शुक्ल अष्टमी से होगा और इसका समापन 3 मार्च 2026 को होलिका दहन के साथ होगा। फाल्गुन पूर्णिमा तिथि 2 मार्च की शाम 5.55 बजे से 3 मार्च की शाम 5.07 बजे तक रहेगी। होलिका दहन का शुभ मुहूर्त 3 मार्च को शाम 6.22 बजे से रात 8.50 बजे तक रहेगा। इसके अगले दिन 4 मार्च 2026 को रंगों वाली होली मनाई जाएगी।

नकारात्मकता नहीं, आत्मशुद्धि का समय

लोकमान्यता है कि यदि कोई व्यक्ति होलाष्टक के दौरान मांगलिक कार्य करता है तो उसे मानसिक तनाव, पारिवारिक कलह, बीमारी और बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि शास्त्र यह भी स्पष्ट करते हैं कि यह समय निषेध का नहीं, शुद्धि और दान का है। होलाष्टक में अन्नदान, वस्त्रदान, ब्राह्मण भोजन, गौसेवा और नैमित्तिक कर्म शुभ माने गए हैं। ग्रह शांति के लिए महामृत्युंजय मंत्र का जाप विशेष फलदायी माना जाता है।

ग्रहों की स्थिति और ज्योतिषीय मान्यता

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार होलाष्टक के प्रत्येक दिन किसी न किसी ग्रह का उग्र प्रभाव माना जाता है। अष्टमी तिथि को चंद्रमा, नवमी को सूर्य, दशमी को शनि, एकादशी को शुक्र, द्वादशी को गुरु, त्रयोदशी को बुध, चतुर्दशी को मंगल और पूर्णिमा को राहु प्रभावी माना जाता है। लोक मान्यता है कि इन ग्रहों की उग्र स्थिति व्यक्ति के निर्णय, मानसिक संतुलन और सामाजिक कार्यों पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है। इस कारण होलाष्टक को शुभ कार्यों के लिए उपयुक्त समय नहीं माना जाता।

भक्ति और अधर्म का संघर्ष

होलाष्टक का संबंध पौराणिक कथा से भी जुड़ा हुआ है। कथा के अनुसार असुर राजा हिरण्यकश्यप स्वयं को भगवान मानता था। उसका पुत्र प्रह्लाद भगवान विष्णु का परम भक्त था। पुत्र की भक्ति से क्रोधित होकर हिरण्यकश्यप ने फाल्गुन शुक्ल अष्टमी से लगातार आठ दिनों तक प्रह्लाद को कई यातनाएं दीं। लेकिन विष्णु की कृपा से वह हर बार सुरक्षित बच गए। अंततः पूर्णिमा की रात होलिका दहन हुआ और प्रह्लाद की भक्ति की विजय हुई। यह घटना अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक बन गई और तभी से होलिका दहन और होली का पर्व मनाया जाने लगा। अत्याचारी राजा हिरण्यकश्यप और उसके परम भक्त पुत्र प्रह्लाद की कथा यह संदेश देती है कि जब अधर्म चरम पर होता है, तब भक्ति और सत्य की अग्नि उसे भस्म कर देती है। होलिका दहन उसी बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है।

शिव और कामदेव की कथा का आध्यात्मिक संकेत

एक अन्य धार्मिक मान्यता के अनुसार इसी काल में भगवान शिव की तपस्या भंग करने के प्रयास में प्रेम के देवता कामदेव को भस्म कर दिया गया था। कामदेव की पत्नी रति के विलाप से द्रवित होकर शिव ने उन्हें पुनर्जीवन का वरदान दिया। मान्यता है कि रति ने इन आठ दिनों को विरह और प्रतीक्षा में बिताया, इसलिए यह अवधि मांगलिक कार्यों के लिए अशुभ मानी जाती है। यह कथा जीवन में संयम, धैर्य और पुनर्जन्म की आशा का संदेश देती है।

होलाष्टक में क्या नहीं करना चाहिए

सनातन मान्यताओं के अनुसार इस अवधि में कई कार्यों से परहेज करने की परंपरा है, जैसेः- विवाह और सगाई जैसे मांगलिक कार्य, गृह प्रवेश और नए घर या भूमि की खरीद, वाहन या धन निवेश, नए व्यापार की शुरूआत, मुंडन और नामकरण संस्कार, सोने-चांदी और बड़ी खरीदारी, तामसिक भोजन का सेवन, पारिवारिक विवाद और कलह. इन नियमों का उद्देश्य व्यक्ति को मानसिक और आध्यात्मिक संतुलन की ओर प्रेरित करना माना जाता है।

होलाष्टक में क्या करना शुभ माना गया है

जहां इस अवधि में मांगलिक कार्यों पर रोक होती है, वहीं धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियों को अत्यंत फलदायी माना गया है। इस दौरान पूजा-पाठ, मंत्र जाप, दान और सेवा जैसे कार्यों को शुभ माना जाता है। भगवत गीता का पाठ, महामृत्युंजय मंत्र जाप, विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ और ध्यान-योग को जीवन में सकारात्मक ऊर्जा लाने वाला बताया गया है। गरीब और जरूरतमंदों को अन्न, वस्त्र और धन का दान करना विशेष पुण्यकारी माना जाता है। भगवान विष्णु की पूजा करना विशेष शुभ माना जाता है। भगवद गीता का पाठ जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है। हनुमान भक्ति से जुड़े पाठ-जप करने की परंपरा है। पितरों का तर्पण और धार्मिक हवन करने से पारिवारिक और आध्यात्मिक कल्याण की मान्यता है। भगवान नृसिंह की पूजा आर्थिक और मानसिक बाधाओं को दूर करने वाला उपाय माना जाता है। ह्लॐ नमो भगवते वासुदेवायह्व मंत्र जाप, ध्यान और योग से मानसिक शांति प्राप्त करने का विधान बताया गया है। धार्मिक मान्यता है कि होलिका दहन तक किए गए ये उपाय जीवन में सुख, समृद्धि और सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं।

धार्मिक और तांत्रिक दृष्टिकोण

धार्मिक मान्यता के अनुसार होलाष्टक का समय भक्ति, तपस्या और आत्मसंयम का काल माना जाता है। इस अवधि में देवी-देवताओं की पूजा, मंत्र जाप और व्रत करने से विशेष पुण्य फल प्राप्त होने की मान्यता है। तांत्रिक मतों में यह समय साधना और सिद्धियों के लिए अनुकूल माना गया है, हालांकि मांगलिक कार्यों के लिए इसे उपयुक्त नहीं माना जाता। लोकमान्यता यह भी कहती है कि इस अवधि में माता शक्ति की कृपा प्राप्त करने के लिए चांदी से संबंधित वस्तुओं की खरीदारी शुभ मानी जाती है और इससे आर्थिक संकट दूर होने की मान्यता है।

होलाष्टक का क्षेत्रीय प्रभाव और विविध मान्यताएं

भारत की सांस्कृतिक विशेषता यह है कि यहां धार्मिक मान्यताएं क्षेत्रीय परंपराओं के अनुसार बदलती रहती हैं। कई क्षेत्रों में होलाष्टक का प्रभाव अधिक माना जाता है, जबकि कुछ क्षेत्रों में इसे समान रूप से स्वीकार नहीं किया जाता। लोक मान्यताओं के अनुसार उत्तर और पूर्वोत्तर भारत के कई क्षेत्रों में होलाष्टक के दौरान भी मांगलिक कार्य किए जाते हैं और इसे दोषयुक्त नहीं माना जाता। यह विविधता भारतीय संस्कृति की समृद्धि और व्यापकता को दर्शाती है।

होलाष्टक का वैज्ञानिक पक्ष

होलाष्टक की परंपरा केवल धार्मिक विश्वास तक सीमित नहीं है। इसका वैज्ञानिक आधार भी बताया जाता है। यह समय ऋतु परिवर्तन का होता है, जब सर्दी से गर्मी की ओर मौसम बदलता है। इस दौरान वातावरण में बैक्टीरिया और वायरस अधिक सक्रिय होते हैं। होलिका दहन के दौरान गोबर के कंडे, नीम, पलाश और अन्य औषधीय लकड़ियों से उत्पन्न धुआं वातावरण को शुद्ध करने में सहायक माना जाता है। यही कारण है कि इस अवधि में संतुलित भोजन और स्वास्थ्य के प्रति सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है।

सामाजिक परंपराएं और पारिवारिक मान्यताएं

लोक परंपराओं में यह भी कहा जाता है कि जिन नवविवाहिताओं की यह पहली होली होती है, उन्हें ससुराल के बजाय मायके में होली मनानी चाहिए। यह परंपरा परिवार और समाज में शुभ संकेत और सांस्कृतिक संतुलन का प्रतीक मानी जाती है।

निषेध नहीं, साधना का अवसर

हालांकि होलाष्टक में मांगलिक कार्यों पर रोक रहती है, लेकिन दान, पूजा, जप और सेवा को अत्यंत शुभ माना गया है। यह काल व्यक्ति को आत्ममंथन और आध्यात्मिक शुद्धि का अवसर देता है। सनातन संस्कृति का यह संदेश स्पष्ट है कि उत्सव का वास्तविक आनंद तभी संभव है जब मन और समाज दोनों संतुलित हों। होलाष्टक हमें याद दिलाता है कि हर उत्सव से पहले तप, धैर्य और आस्था की अग्नि से गुजरना आवश्यक है। होलिका दहन के साथ जब यह काल समाप्त होता है, तब रंगों की होली केवल बाहरी उल्लास नहीं, बल्कि बुराई पर अच्छाई की विजय का आध्यात्मिक उत्सव बन जाती है।

संस्कृति का संतुलन और परंपरा का संदेश

होलाष्टक भारतीय संस्कृति में केवल निषेध का काल नहीं, बल्कि जीवन में संयम, साधना और संतुलन का संदेश देता है। यह परंपरा हमें यह समझाती है कि उत्सव केवल बाहरी उल्लास नहीं, बल्कि आत्मिक शुद्धि और सामाजिक सामंजस्य का प्रतीक भी है। होलिका दहन के साथ जब यह काल समाप्त होता है, तब रंगों की होली केवल पर्व नहीं रह जाती, बल्कि बुराई पर अच्छाई की विजय और जीवन में नई ऊर्जा के आगमन का उत्सव बन जाती है।

होलाष्टक का अंत, उत्सव की शुरूआत

होलिका दहन के साथ ही होलाष्टक समाप्त होता है और समाज उत्सव में प्रवेश करता है। घरों में रंग सजते हैं, मंदिरों में उल्लास गूंजता है और गली-मोहल्लों में प्रेम व भाईचारे के रंग बिखरते हैं। होलाष्टक हमें यह सिखाता है कि हर उत्सव से पहले संयम आवश्यक है, ताकि आनंद केवल बाहरी न होकर आत्मिक भी हो।

संयम से उत्सव तक का सांस्कृतिक संदेश

होलाष्टक केवल निषेध का काल नहीं, बल्कि आत्ममंथन और साधना का अवसर है। सनातन संस्कृति यह संदेश देती है कि उत्सव का आनंद तभी सार्थक होता है जब मन और समाज दोनों संतुलित हों। यह आठ दिन व्यक्ति को संयम, सेवा और आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग दिखाते हैं, जिसके बाद होलिका दहन बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक बनकर जीवन में उल्लास और रंगों की नई शुरूआत करता है।

पारदर्शिता की पहल, पर एकरूपता के अभाव में अदालतों तक पहुंचते कर्मचारी

- डॉ. सत्यवान सौरभ

हरियाणा सरकार द्वारा लागू की गई आदर्श ऑनलाइन स्थानांतरण नीति प्रशासनिक सुधारों की दिशा में एक महत्वपूर्ण और साहसिक कदम है। लंबे समय से सरकारी कर्मचारियों के स्थानांतरण को लेकर मनमानी, सिफारिश, पक्षपात और भ्रष्टाचार की शिकायतें सामने आती रही हैं। इन समस्याओं को समाप्त करने और प्रक्रिया को पारदर्शी, निष्पक्ष तथा योग्यता आधारित बनाने के उद्देश्य से ऑनलाइन स्थानांतरण व्यवस्था लागू की गई। इसका मूल उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि कर्मचारियों को उनकी वरिष्ठता, सेवा अवधि और विशेष परिस्थितियों के आधार पर न्यायपूर्ण तरीके से कार्यस्थल आवंटित किया जाए तथा किसी भी प्रकार के बाहरी हस्तक्षेप की संभावना समाप्त हो।

यह नीति आधुनिक प्रशासनिक सोच और तकनीकी उपयोग का सकारात्मक उदाहरण है। 50 या उससे अधिक पदों वाले संवर्गों पर लागू इस व्यवस्था में 80 अंकों का योग्यता आधारित मूल्यांकन तंत्र निर्धारित किया गया है। इसमें आयु और कुल सेवा अवधि को प्रमुख आधार बनाया गया है, जिससे वरिष्ठता को उचित महत्व मिल सके। सेवा अवधि को 365 दिनों से विभाजित कर अंक निर्धारित किए जाते हैं, जिससे पूरी प्रक्रिया वस्तुनिष्ठ और पारदर्शी बनती है। महिला कर्मचारियों को 10 अंक, पतिझ्रपत्नी मामलों में 5 अंक तथा गंभीर बीमारी या दिव्यांगता के मामलों में 10 से 20 अतिरिक्त अंक दिए जाते हैं।

पूरी प्रक्रिया मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली से जुड़े ऑनलाइन मंच के माध्यम से संचालित होती है। अधिसूचना जारी होने के बाद संवर्ग सूची सार्वजनिक की जाती है और कर्मचारी एकमुश्त पासवर्ड के माध्यम से सत्यापन कर अपने पसंदीदा कार्यस्थलों का चयन करते हैं। निर्धारित समय में विकल्प प्रस्तुत न करने की स्थिति में कर्मचारी को किसी भी स्थान पर नियुक्त किया जा सकता है। अतिरिक्त पदों पर कार्यरत कर्मचारियों का स्थानांतरण अनिवार्य रूप से किया जाता है तथा आदेश जारी होने के निर्धारित समय के भीतर कार्यभार ग्रहण करना आवश्यक होता है।

नीति लागू होने के बाद कई विभागों में पारदर्शिता बढ़ी है और शिकायतों में कमी भी आई है। ऑनलाइन शिकायत निवारण तंत्र ने कर्मचारियों को अपनी बात रखने का मंच दिया है। इससे यह विश्वास मजबूत हुआ है कि अंकीय प्रणाली के माध्यम से प्रशासनिक सुधार प्रभावी रूप से लागू किए जा सकते हैं।

फिर भी, नीति के क्रियान्वयन में एकरूपता का अभाव इसकी सबसे बड़ी चुनौती बनकर सामने आया है। सभी विभागों में समान कार्यकाल, समान समय-सारिणी और समान नियम लागू नहीं हैं। कहीं न्यूनतम कार्यकाल अलग है, कहीं अधिकतम कार्यकाल की सीमा भिन्न है, तो कहीं विशेष परिस्थितियों की परिभाषा बदल जाती है। इससे समान संवर्ग के कर्मचारियों के बीच असमानता उत्पन्न होती है और नीति की मूल भावना प्रभावित होती है।

ऑनलाइन स्थानांतरण अभियान की पहली ही प्रक्रिया में सभी कर्मचारियों की एकमुश्त अनिवार्य सहभागिता सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। यदि प्रारंभिक चरण में कुछ कर्मचारी किसी कारणवश बाहर रह जाते हैं, तो उनकी कार्यस्थल वरिष्ठता प्रभावित होती है और भविष्य में विवाद की स्थिति बनती है। इसलिए ह्लएक बार की अनिवार्य सहभागिताह्व के माध्यम से सभी कर्मचारियों को समान आधार पर लाना चाहिए।

सभी कर्मचारियों की एकमुश्त अनिवार्य सहभागिता सुनिश्चित करना आवश्यक है, ताकि कार्यस्थल वरिष्ठता निष्पक्ष रूप से निर्धारित हो और भविष्य में किसी प्रकार की असमानता या भ्रम की स्थिति उत्पन्न न हो। ऑनलाइन स्थानांतरण नीति लागू होने के बाद पारंपरिक स्थानांतरण पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। सभी विभागों में समान कार्यकाल व्यवस्था लागू हो, जिससे कर्मचारियों को समान अवसर मिल सकें। नई नियुक्तियों को समयबद्ध रूप से ऑनलाइन प्रणाली में शामिल किया जाए, ताकि वरिष्ठता प्रभावित न हो। स्थानांतरण प्रक्रिया का निश्चित वार्षिक कार्यक्रम हो, जिससे पारदर्शिता बढ़े और कर्मचारियों में अनिश्चितता समाप्त हो।

सभी विभागों में निर्धारित कार्यकाल समान होना चाहिए। उदाहरण के लिए न्यूनतम कार्यकाल एक वर्ष या एक स्थानांतरण अभियान से अगले अभियान तक तथा अधिकतम कार्यकाल पाँच वर्ष निर्धारित किया जा सकता है। इससे कोई भी कर्मचारी अत्यधिक लंबे समय तक एक ही स्थान पर नहीं रहेगा और न ही किसी को अल्प अवधि में बार-बार स्थानांतरण झेलना पड़ेगा।

जब भी नई नियुक्ति हो, उसे अनिवार्य रूप से अगले स्थानांतरण अभियान में शामिल किया जाना चाहिए। यदि ऑनलाइन स्थानांतरण नीति लागू होने के बाद अब तक कोई कर्मचारी इस प्रक्रिया में शामिल नहीं हुआ है, तो उसे वर्तमान अभियान में अनिवार्य रूप से सम्मिलित किया जाना चाहिए। इससे सभी कर्मचारियों को उनकी वरिष्ठता के आधार पर कार्यस्थल प्राप्त करने का अवसर मिलेगा और मनमानी या रिश्वतखोरी के माध्यम से पारंपरिक आदेशों द्वारा कार्यस्थल प्राप्त करने की प्रवृत्ति समाप्त होगी।

सभी विभागों में स्थानांतरण अभियान एक ही समय पर पूरा किया जाना चाहिए। इससे पतिझ्रपत्नी प्रकरणों में निर्णय लेने में सुविधा होगी और परिवारों को अनिश्चितता का सामना नहीं करना पड़ेगा। यदि विभिन्न विभाग अलग-अलग समय पर स्थानांतरण करेंगे, तो पारिवारिक समन्वय कठिन हो जाता है।

कार्यकाल की गणना करते समय वित्तीय वर्ष को एक वर्ष माना जाना चाहिए, न कि दिनों की गणना के आधार पर। कई बार स्थानांतरण अभियान वित्तीय वर्ष के मध्य में पूरा होता है और कार्यभार ग्रहण वर्ष के अंतिम चरण में होता है, जिससे कार्यकाल की गणना में एक वर्ष का अंतर उत्पन्न हो जाता है। यदि वित्तीय वर्ष को पूर्ण इकाई के रूप में स्वीकार किया जाए, तो कट-ऑफ तिथि से संबंधित विवाद समाप्त हो सकते हैं। हर वर्ष एक निश्चित और पूर्व घोषित समय-सारिणी के अनुसार स्थानांतरण अभियान चलाया जाना चाहिए। यदि यह प्रक्रिया नियमित और वार्षिक हो, तो कर्मचारियों में अनिश्चितता समाप्त होगी और प्रशासनिक समन्वय बेहतर होगा। अनियमित या विलंबित अभियान से भ्रम और असंतोष की स्थिति उत्पन्न होती है।

पद पुनर्संरचना या युक्तिकरण की प्रक्रिया के दौरान, यदि अगली भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी हो, तो न्यूनतम पदों को अवरुद्ध किया जाना चाहिए ताकि कर्मचारियों को अपने निवास स्थान के निकट कार्यस्थल मिलने की अधिक संभावना रहे। यदि एक बार सभी कर्मचारियों को शामिल कर व्यापक स्तर पर युक्तिकरण किया जाए, तो भविष्य में बार-बार इस प्रक्रिया की आवश्यकता भी नहीं रहेगी।

वर्तमान में कई कर्मचारियों के नियुक्ति आदेशों में अनिवार्य सहभागिता का स्पष्ट उल्लेख है, किंतु यह स्पष्ट नहीं है कि यदि कोई कर्मचारी किसी कारणवश अभियान में भाग नहीं ले पाता, तो उसकी कार्यस्थल वरिष्ठता और अधिकारों का संरक्षण कैसे होगा। इस अस्पष्टता के कारण कई कर्मचारी प्रक्रिया से बाहर रह गए, जिससे असमानता और असंतोष की स्थिति उत्पन्न हुई।

सबसे गंभीर चिंता यह है कि ऑनलाइन नीति लागू होने के बाद भी कुछ स्थानांतरण पारंपरिक माध्यम से किए गए हैं। यह स्थिति नीति की पारदर्शिता और निष्पक्षता के विपरीत है। जब कुछ कर्मचारियों को अंकीय आधार पर और कुछ को पारंपरिक आदेशों से कार्यस्थल दिए जाते हैं, तो समान अवसर का सिद्धांत कमजोर पड़ जाता है। ऐसी समानांतर व्यवस्था नीति को संदेह के दायरे में लाती है और कर्मचारियों के बीच भेदभाव की भावना उत्पन्न करती है।

इन्हीं विसंगतियों के कारण अनेक कर्मचारी न्यायालयों की शरण लेने को विवश हो रहे हैं। समान पद और समान सेवा अवधि के बावजूद अलग-अलग व्यवहार से विवाद उत्पन्न होना स्वाभाविक है। न्यायालयी प्रक्रिया कर्मचारियों के लिए मानसिक, सामाजिक और आर्थिक रूप से कठिन होती है, साथ ही प्रशासन पर भी अतिरिक्त बोझ डालती है। यदि नीति को पूर्णतः एकरूप और अनिवार्य रूप से लागू किया जाए, सभी कर्मचारियों की एकमुश्त सहभागिता सुनिश्चित की जाए तथा पारंपरिक स्थानांतरण पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए, तो न्यायालयों में जाने की आवश्यकता स्वतः समाप्त हो जाएगी। इससे कर्मचारियों का विश्वास मजबूत होगा और प्रशासनिक प्रणाली की विश्वसनीयता बढ़ेगी।

आदर्श ऑनलाइन स्थानांतरण नीति एक दूरदर्शी पहल है, परंतु इसकी सफलता पूर्ण पारदर्शिता, समान नियम और कठोर अनुपालन पर निर्भर करती है। जब तक सभी विभागों में समान कार्यकाल, समान वार्षिक कार्यक्रम, अनिवार्य सहभागिता और केवल ऑनलाइन माध्यम से ही कार्यस्थल आवंटन सुनिश्चित नहीं किया जाएगा, तब तक इसकी मूल भावना अधूरी रहेगी।

आज आवश्यकता है कि इस नीति को और अधिक स्पष्ट, सशक्त और एकरूप बनाया जाए। यदि ऐसा किया जाता है, तो यह व्यवस्था न केवल हरियाणा में, बल्कि पूरे देश में सुशासन, पारदर्शिता और निष्पक्ष प्रशासन का आदर्श उदाहरण बन सकती है।

ग्लोबल कोकण महोत्सव का पालक मंत्री गणेश नाईक ने किया उद्घाटन

पालघर(उत्तरशक्ति)। कोकण तट के मनोरम शिरगांव बीच पर आयोजित ग्लोबल कोकण महोत्सव 2026 का शुभारंभ वन मंत्री व पालघर जिले के पालक मंत्री गणेश नाईक के करकमलों बुधवार 18 फरवरी को फीता काट कर किया गया। इस महोत्सव के दौरान आयोजित महा निर्यात इग्नाइट कन्वेंशन 2026 कार्यशाला उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुई। इस कार्यक्रम में प्रशासन, उद्योग जगत और नवउद्यमियों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली, जिससे राज्य की औद्योगिक और निर्यात क्षमता को नई दिशा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

इस कार्यशाला का आयोजन विकास आयुक्त (उद्योग) दीपेंद्र सिंह कुशवाह के नेतृत्व में तथा जिलाधिकारी डॉ. इंदु रानी जाखड़ के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी भाऊसाहेब फटांगरे, डहाणू उपविभागीय अधिकारी विशाल खत्री तथा कोकण विभाग के सह-संचालक (उद्योग) विजू सिरसाठ प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

इस मौके पर अपर जिलाधिकारी भाऊसाहेब फटांगरे ने युवाओं को उद्यमिता की ओर प्रेरित करते हुए कहा कि आने वाले समय में विभिन्न बुनियादी ढांचा परियोजनाओं से पालघर जिले का समग्र विकास होगा और तटीय, पहाड़ी तथा शहरी क्षेत्रों में औद्योगिक अवसर बढ़ेंगे। उन्होंने युवाओं से नौकरी लेने वाले नहीं, बल्कि नौकरी देने वाले बनने का आह्वान किया। उपविभागीय अधिकारी विशाल खत्री ने कहा कि प्रशासन उद्यमियों के साथ मजबूती से खड़ा है और स्थानीय प्रशासन से सीधे संवाद करने का आग्रह किया। उन्होंने विशेष रूप से आदिवासी क्षेत्रों के शिक्षित युवाओं को उद्योग क्षेत्र में आगे आने के लिए प्रेरित किया। सह-संचालक (उद्योग) विजू सिरसाठ ने जानकारी दी कि पालघर जिले ने पिछले वर्ष लगभग 30,138 करोड़ रुपये का निर्यात किया है। उन्होंने बताया कि एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना के तहत चिकू और समुद्री उत्पादों को विभिन्न योजनाओं के माध्यम से प्रोत्साहन दिया जा रहा है। उन्होंने नवउद्यमियों से मुख्यमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम जैसी योजनाओं का लाभ लेकर अपना उद्योग शुरू करने का आह्वान किया। डीजीएफटी मुंबई के विदेश व्यापार विकास अधिकारी प्रमोद थावरे ने निर्यात के लिए आवश्यक लाइसेंस और योजनाओं की जानकारी दी। वहीं एफआईईओ के वरिष्ठ कार्यकारी रिशु वर्मा ने निर्यात प्रोत्साहन परिषदों की भूमिका पर प्रकाश डाला। द न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी के वरिष्ठ प्रबंधक अनिल जाधव ने विभिन्न बीमा योजनाओं की जानकारी दी, जबकि आईडीबीआई कैपिटल के सहायक प्रबंधक उमेश रनोलिया ने अनुसूचित जाति एवं जनजाति उद्यमियों के लिए उपलब्ध वित्तीय सहायता योजनाओं की जानकारी साझा की। अभिनव इंस्टीट्यूट के प्रबंधक अफान हैदर ने स्किल इंडिया के तहत अप्रेंटिसशिप योजना का प्रस्तुतिकरण किया। मैत्री के नोडल अधिकारी विजय शिंदे ने महाराष्ट्र सरकार की ईज ऑफ डूइंग बिजनेस सुधार पहल और मैत्री कानून की जानकारी दी। पर्यटन क्षेत्र में होमस्टे, रिसॉर्ट और होटल परियोजनाओं के लिए आवश्यक निर्माण अनुमतियों पर वास्तुविशारद योगेश म्हात्रे ने मार्गदर्शन किया। कार्यशाला के अंत में प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया, जिसमें उद्यमियों की शंकाओं का समाधान किया गया। जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक उपेंद्र सांगले ने केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न उद्योग योजनाओं का अवलोकन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का सूत्रसंचालन एमसीईडी के परियोजना अधिकारी धम्मपाल थोरात ने किया, जबकि प्रबंधक उद्धव माने ने धन्यवाद ज्ञापन किया। महोत्सव में चिकू उत्पादों (ओडीओपी) और तारापुर औद्योगिक क्षेत्र के उद्योगों के स्टॉल प्रदर्शित किये गये, जिन्हें विशेष आकर्षण मिला। जिला उद्योग केंद्र, रोटरी क्लब ऑफ विरार, एमसीईडी और मिटकॉन के संयुक्त प्रयासों से यह उपक्रम सफल रहा।

ज्ञानश्री फाउंडेशन द्वारा विविध शैक्षणिक प्रतियोगिताओं का हुआ आयोजन, विद्यार्थियों ने दिखाया रचनात्मक प्रतिभा

पालघर(उत्तरशक्ति)। विद्यार्थियों के सर्वांगीण गुणवत्ता विकास तथा उनके भीतर छिपी रचनात्मक प्रतिभा को मंच देने के उद्देश्य से ज्ञानश्री फाउंडेशन के तत्वावधान में जिला परिषद स्कूल कोटबी बुजडपाड़ा में बडबडगीत, कथाकथन, निबंध लेखन एवं चित्रकला प्रतियोगिताओं का उत्साहपूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में आसपास के दस विद्यालयों के विद्यार्थियों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर अपनी कला और प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

इस प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत बडबडगीत, कथाकथन, निबंध और चित्रकला ने उनकी कल्पनाशक्ति, आत्मविश्वास और सृजनात्मकता स्पष्ट रूप से देखने को मिली। कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि के रूप में ठिणगी सामाजिक सेवा संस्था की अध्यक्ष डॉ. स्मिता मालवदे तथा डॉ. माधुरी भुतकर उपस्थित रहीं। उन्होंने विद्यार्थियों का प्रोत्साहन करते हुए कहा कि शिक्षा के साथ-साथ कला, संस्कार और व्यक्तित्व विकास भी अत्यंत आवश्यक है। इस प्रकार की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाती हैं और उन्हें अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर देती हैं। स्पर्धाओं का परीक्षण श्रद्धा गुरव, मानसी मिस्त्री, धीरज ठाकूर, अश्विनी ठाकूर तथा यशश्री गुंजाळ द्वारा अत्यंत सूक्ष्मता से किया गया। मूल्यांकन में विद्यार्थियों की प्रस्तुति शैली, विषयवस्तु, कल्पनाशक्ति और आत्मविश्वास को आधार बनाया गया। कार्यक्रम का सफल आयोजन श्रीपाद सर, राहुल सर तथा ज्ञानश्री फाउंडेशन के सभी सदस्यों द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में शिक्षकों, अभिभावकों एवं ग्रामवासियों का भी सराहनीय सहयोग रहा। सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र प्रदान किए गए, जबकि विजेता विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र, आकर्षक ट्रॉफी तथा नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में प्रमुख अतिथियों ने ज्ञानश्री फाउंडेशन की प्रशंसा करते हुए भविष्य में भी विद्यार्थियों के विकास हेतु ऐसे रचनात्मक उपक्रम निरंतर आयोजित करने की अपेक्षा व्यक्त की इस दौरान विद्यार्थियों के चेहरों पर खुशी व अभिभावकों में उत्साह दिखाई दिया।

नारायण चौधरी ने दिया बडा बयान कहा भाजपा की नीतियों के कारण भाजपा छोडकर सेक्युलर फ्रंट में शामिल होने को मजबूर

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी मनपा महापौर पद के चुनाव ने अंतिम समय में बड़ा मोड़ ले लिया है। चुनाव से ठीक पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपना उम्मीदवार बदल दिया है जिससे राजनीतिक हलकों में हलचल मच गई है। बताते कि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने शहर अध्यक्ष रविकांत सावंत को पत्र भेजकर नारायण चौधरी को भाजपा का आधिकारिक महापौर उम्मीदवार घोषित किया था। जिसके अनुसार नारायण चौधरी ने भाजपा की ओर से महापौर पद के लिए अपना नामांकन भी दाखिल कर दिया था। लेकिन बुधवार (18) को चुनावी समीकरण अचानक बदल गया। भाजपा भिवंडी शहर अध्यक्ष रविकांत सावंत ने महापौर पद के लिए स्नेहा मेहुल पाटिल के नाम की घोषणा कर दी। इस संबंध में लिखित पत्र भाजपा के सभी नगरसेवकों को जारी किया गया। शहर अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि अब स्नेहा मेहुल पाटिल ही भाजपा की आधिकारिक महापौर उम्मीदवार होंगी। इन घटनाक्रमों के बाद नारायण चौधरी ने अपनी नाराजगी खुलकर जाहिर करते हुये कहा कि भाजपा ने पहले उन्हें उम्मीदवार घोषित किया था, लेकिन महायुति के घटक दल साथ आने को तैयार नहीं थे। कई बैठकों के बावजूद सहमति नहीं बन सकी और अंततः भाजपा ने स्नेहा मेहुल पाटिल को उम्मीदवार घोषित कर दिया। इससे आहत होकर उन्होंने सेक्युलर खेमे के साथ जाने का निर्णय लेने की घोषणा की। नए संभावित राजनीतिक समीकरणों के अनुसार, नाराज भाजपा नेता नारायण चौधरी के महापौर पद के लिए उतरने की संभावना है, जबकि कांग्रेस के तारिक मोमिन उपमहापौर पद के उम्मीदवार हो सकते हैं। वहीं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) के हिस्से स्थायी समिति सभापति पद आने की संभावना जताई जा रही है।

इंटर स्कूल फुटबॉल प्रतियोगिता में रईस हाई स्कूल का दबदबा बनाकर 7-0 से जीतकर ट्रॉफी पर किया कब्जा

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। सफीना फाउंडेशन भिवंडी के तत्वाधान में इनफील्ड टर्फ ग्राउंड, पोगांव में आयोजित इंटर स्कूल फुटबॉल प्रतियोगिता में रईस हाई स्कूल एंड जूनियर कॉलेज की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ट्रॉफी अपने नाम की। प्रतियोगिता में भिवंडी तालुका के विभिन्न स्कूलों की टीमों ने भाग लिया। रईस हाई स्कूल की टीम ने लीग से लेकर फाइनल तक बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए फाइनल में अपनी जगह पक्की की। फाइनल मुकाबला रईस हाई स्कूल, भिवंडी और हेरा हाई स्कूल महापोली के बीच खेला गया। रोमांचक मुकाबले में रईस हाई स्कूल के खिलाड़ियों ने असाधारण कौशल, सशक्त टीम वर्क और उत्कृष्ट खेल भावना का परिचय देते हुए प्रतिद्वंद्वी टीम को 7-0 से पराजित कर टूर्नामेंट की ट्रॉफी पर कब्जा जमाया इस ऐतिहासिक जीत में टीम के कप्तान अंसारी ईसा के नेतृत्व के साथ सभी खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत, कोच और शिक्षकों के मार्गदर्शन की महत्वपूर्ण भूमिका रही। स्कूल के प्रिंसिपल जियाउर्रहमान अंसारी ने बधाई संदेश में कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की लगन, अनुशासन और निरंतर अभ्यास का परिणाम है। उन्होंने उम्मीद जताई कि आगे भी विद्यार्थी शैक्षणिक के साथ-साथ सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में विद्यालय का नाम रोशन करेंगे। आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में विजेता टीम को ट्रॉफी, प्रमाणपत्र एवं उपहार प्रदान किए गए। इस उपलब्धि पर कोकण मुस्लिम एजुकेशन सोसायटी के पदाधिकारियों एवं सदस्यों, चेयरमैन यासर तातली तथा विद्यालय के समस्त स्टाफ की ओर से खिलाड़ियों और मार्गदर्शक शिक्षकों जाकिर अंसारी, मुसय्यब मोमिन, नबिक मोमिन और इकरा शेख को हार्दिक बधाई दी है।

महाराष्ट्र स्टेपल्स बाजार में गुणवत्ता और सतत विकास का नया मानदंड

मुंबई। भारत का आटा एवं स्टेपल्स क्षेत्र एक महत्वपूर्ण संक्रमण काल से गुजर रहा है। बढ़ते गेहूं उत्पादन, अनुकूल जलवायु परिस्थितियों और सहायक सरकारी नीतियों के चलते कच्चे माल की उपलब्धता सुदृढ़ हुई है, जिससे उद्योग में विस्तार और प्रतिस्पर्धा दोनों तेज हुए हैं।

बदलती बाजार परिस्थितियों पर अपने विचार साझा करते हुए केवलानी एग्रो इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ महेश केवलानी ने कहा कि वर्तमान समय स्थापित कंपनियों के लिए अवसर और जिम्मेदारी–दोनों लेकर आया है। आज प्रतिस्पर्धा केवल कीमत तक सीमित नहीं है। संस्थागत खरीदारों और उपभोक्ताओं के लिए सबसे महत्वपूर्ण तत्व निरंतर और भरोसेमंद गुणवत्ता है। सूजी, बेसन और चक्की आटा जैसे दैनिक उपभोग के उत्पादों में सोर्सिंग और मिलिंग की सटीकता अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि मामूली अंतर भी उपभोक्ता विश्वास को प्रभावित कर सकता है। उन्होंने बताया कि केवलानी एग्रो इंडस्ट्रीज ने गुणवत्ता आश्वासन, अनुशासित कच्चा माल चयन और सुदृढ़ प्रक्रिया नियंत्रण को अपनी मुख्य व्यावसायिक रणनीति में शामिल किया है। कंपनी का ध्यान मात्रा-आधारित विस्तार के बजाय विश्वसनीयता-आधारित प्रदर्शन पर केंद्रित है। महाराष्ट्र के शहरी और अर्ध-शहरी बाजारों में वितरकों और संस्थागत खरीदारों की अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए कंपनी ने स्पष्ट संचार, भरोसेमंद आपूर्ति तंत्र और बेहतर सेवा विश्वसनीयता पर भी विशेष बल दिया है। सतत विकास के विषय पर महेश केवलानी ने कहा कि आने वाले वर्षों में उद्योग नेतृत्व उन्हीं कंपनियों के हाथ में होगा।

रोटरी क्लब ऑफ बोईसर तारापुर द्वारा तीन दिवसीय निःशुल्क ब्रेस्ट कैंसर स्क्रीनिंग शिविर आयोजित

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिले की उद्योग नगरी बोईसर शहर के पश्चिम में स्थित विराज प्रोफाइल्स प्राइवेट लिमिटेड के ज्यूरिक प्लांट में रोटरी क्लब ऑफ बोईसर तारापुर द्वारा आयोजित तीन दिवसीय निःशुल्क ब्रेस्ट कैंसर स्क्रीनिंग शिविर का 18 फरवरी को सफलतापूर्वक समापन हुआ। यह शिविर 16 फरवरी से 18 फरवरी तक आयोजित किया गया था, जिसका उद्देश्य महिला स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना और समय रहते रोग की पहचान सुनिश्चित करना था।

तीन दिनों तक चले इस शिविर में बोईसर शहर के विभिन्न क्षेत्रों से आई लगभग 408 महिलाओं की निःशुल्क जांच की गई। अंतिम दिन भी बड़ी संख्या में महिलाओं की उपस्थिति रही। विशेषज्ञ चिकित्सकों ने अत्यंत सावधानीपूर्वक जांच कर महिलाओं को आवश्यक चिकित्सीय परामर्श प्रदान किया। विशेषज्ञों ने बताया कि ब्रेस्ट कैंसर का समय रहते पता चलने पर उसका सफल उपचार संभव है। शिविर के दौरान 14 महिलाओं की रिपोर्ट पॉजिटिव पाई गई। इस दौरान रोटरी क्लब द्वारा यह घोषणा भी की गई कि जिन महिलाओं की रिपोर्ट पॉजिटिव आयेगी, उनके संपूर्ण उपचार तथा आवश्यकता पड़ने पर ऑपरेशन का खर्च क्लब द्वारा वहन किया जायेगा। जो कि यह पहल सामाजिक उत्तरदायित्व और मानव सेवा का प्रेरणादायी उदाहरण है। इस शिविर का 16 फरवरी को आयोजित उद्घाटन समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ था। कार्यक्रम का संचालन कंपनी अधिकारी हरीश आहूजा ने किया। शिविर के उद्घाटन के अवसर पर विराज प्रोफाइल्स के वरिष्ठ पदाधिकारी विवेक चौहान, कार्यकारी निदेशक प्रदीप जाधव एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। रोटरी क्लब की ओर से प्रेसिडेंट राम नारायण गोयल, प्रोजेक्ट डायरेक्टर स्मिता जाधव, प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर डॉ. सोनम खांडेजोड़, रो. आरती शिंदे, पास्ट प्रेसिडेंट डॉ. पराग कुलकर्णी, विनायक पदमवार, रमेश मित्तल, वैशाली शिंदे तथा रो. सुमन मित्तल उपस्थित रहे। शिविर के समापन के मौके पर रोटरी क्लब के प्रेसिडेंट राम नारायण गोयल ने भविष्य में भी इसी प्रकार के जनहितकारी स्वास्थ्य शिविरों के आयोजन का संकल्प व्यक्त किया।

राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता में इंदिरा गांधी महाविद्यालय की साक्षी मोरे का चयन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। विश्वविद्यालय की ओर से सोनूभाऊ बसवंत महाविद्यालय में हाल ही में अंतर-महाविद्यालयीन महिला कुश्ती प्रतियोगिता 2025-26 का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में इंदिरा गांधी महाविद्यालय (पार्कसाइट, विक्रोली पश्चिम) की छात्रा साक्षी संजय मोरे (एफ.वाई.बी.ए.) ने 57 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर महाविद्यालय का नाम रोशन किया। वहीं अमृताकुमारी लक्ष्मण यादव (टी.वाई.बी.ए.) ने 50 किलोग्राम भार वर्ग में कांस्य पदक प्राप्त किया। बता दें कि स्वर्ण पदक विजेता साक्षी मोरे का चयन 17 से 20 मार्च 2026 के दौरान कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, हरियाणा में आयोजित होने वाली अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय महिला कुश्ती प्रतियोगिता 2025-26 के लिए किया गया है। शैक्षणिक वर्ष 2025-26 में महाविद्यालय के चार विद्यार्थियों का चयन अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय कबड्डी, पुरुष कुश्ती, 5 एवं 10 किलोमीटर दौड़ तथा क्रॉस कंट्री स्पधाओं के लिए भी हुआ है, जो संस्था के लिए गौरव की बात है। महाविद्यालय की इस उपलब्धि पर संस्था की अध्यक्ष पुष्पलता बालासाहेब म्हात्रे, विश्वस्त एवं प्राचार्य राजेंद्र म्हात्रे, प्रभाग 123 के नगरसेवक सुनील मोरे तथा मार्गदर्शक क्रीड़ा शिक्षक सतीश कदम ने साक्षी मोरे और पूरी टीम को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

पालघर में मिनी सरस 2026 का भव्य आगाज, ग्रामीण महिलाओं के उत्पादों को मिल रहा जबरदस्त बाजार

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। ग्रामीण महिलाओं के उद्यम और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित पालघर मिनी सरस 2026 का शुभारंभ बुधवार 18 फरवरी को शिरगांव बीच, पालघर में उत्साहपूर्ण माहौल में किया गया। यह मेगा बिक्री एवं प्रदर्शनी मेला उमेद झ महाराष्ट्र राज्य ग्रामीण जीवनोन्नति अभियान तथा जिला ग्रामीण विकास यंत्रणा, पालघर द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया है और ग्लोबल कोकण महोत्सव के साथ मिलकर आयोजित हो रहा है।

मेले का उद्घाटन मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे के करकमलों से किया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रविंद्र शिंदे, परियोजना संचालिका डॉ. रूपाली सातपुते, ग्लोबल कोकण महोत्सव के आयोजक संजय यादव राव, उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी इजाज अहमद, पंचायत विभाग के अशोक पाटील, मुख्य लेखा एवं वित्त अधिकारी सचिन कवठे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। इस प्रदर्शनी में पालघर जिले के 73, रत्नागिरी के 12, ठाणे के 7, रायगढ़ के 5, पुणे के 2 तथा नाशिक, जलगांव व कोल्हापुर से एक-एक स्वयंसहायता समूह सहित कुल 102 महिला स्वयंसहायता समूहों ने भाग लिया है। इनमें करीब 80 स्टॉल हस्तशिल्प एवं घरेलू उत्पादों के तथा 20 स्टॉल खाद्य पदार्थों के लगाये गये हैं। मेले में कोकण क्षेत्र के पारंपरिक व्यंजनों से लेकर आधुनिक खाद्य पदार्थों तक की विविधता देखने को मिल रही है। रस शिरवाले, पातोले, केलवे का प्रसिद्ध बेक्ड योगर्ट, घरगुती मसाले, अचार, पापड़, सोलकढ़ी, कोकम शरबत, मिलेट्स से बने खाद्य पदार्थ, शाकाहारी एवं मांसाहारी भोजन लोगों को खासा आकर्षित कर रहे हैं। इसके साथ ही खादी बैग, कपड़े और जूट बैग, कोल्हापुरी चप्पल, वारली पेंटिंग, बांस व लकड़ी की कलाकृतियां, आदिवासी आभूषण, हथकरघा वस्त्र, जव्हार का निगुर्डी तेल, आयुर्वेदिक उत्पाद, प्राकृतिक साबुन, अगरबत्ती, मोमबत्तियां एवं सजावटी वस्तुएं लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। जिला परिषद द्वारा आगामी बजट प्रस्तुति के लिए फोल्डर के रूप में उपयोग हेतु 100 कपड़े की थैलियों का ऑर्डर स्वयंसहायता समूहों को दिया गया, जिससे महिलाओं को प्रत्यक्ष व्यावसायिक अवसर प्राप्त हुआ। अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रविंद्र शिंदे ने व्यक्तिगत रूप से भी थैलियां खरीदकर महिलाओं को प्रोत्साहन दिया। मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने कहा कि मिनी सरस और ग्लोबल कोकण महोत्सव का संयुक्त आयोजन दोनों कार्यक्रमों के लिए लाभकारी सिद्ध होगा। आगामी दिनों में बड़ी संख्या में पर्यटक मेले में आयेंगे और महिला स्वयंसहायता समूहों के उत्पादों की बिक्री में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। इससे ग्रामीण महिलाओं को व्यापक बाजार मिलेगा और उनका आर्थिक सशक्तिकरण मजबूत होगा।

ज्ञात हो कि पिछले दो वर्षों में मिनी सरस प्रदर्शनियों में 15 से 20 लाख रुपये की बिक्री हुई थी और हजारों नागरिकों ने मेले का दौरा किया था। इस वर्ष ग्लोबल कोकण महोत्सव के कारण बिक्री और दर्शकों की संख्या में और अधिक वृद्धि की उम्मीद जताई जा रही है। जिलाधिकारी डॉ. इंदूराणी जाखड तथा मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने नागरिकों से अपील की है कि वे बड़ी संख्या में मेले में आकर स्थानीय महिला उत्पादों को प्रोत्साहित करें।

जनता की गंभीर परेशानियों को देखते हुए विधायक संजय उपाध्याय ने मनपा आयुक्त को लिखा पत्र

मुंबई (उत्तरशक्ति)। बोरिवली विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक संजय उपाध्याय ने बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के आयुक्त को एक औपचारिक पत्र प्रेषित किया है, जिसमें चारकोप, सेक्टर ८ क्षेत्र में कोस्टल रोड परियोजना के अंतर्गत चल रहे पाइलिंग कार्य से स्थानीय निवासियों में उत्पन्न हुई गंभीर चिंता एवं भय की स्थिति का उल्लेख किया गया है। ११ फरवरी २०२६ से प्रारंभ हुए पाइलिंग कार्य के कारण आसपास की इमारतों में तीव्र कंपन अनुभव हो रहा है, जिससे निवासियों में भूकंप-सा भय व्याप्त हो गया है। कार्य आरंभ करने से पूर्व स्थानीय निवासियों को कोई पूर्व सूचना अथवा परामर्श नहीं दिया गया था। पत्र में श्री उपाध्याय ने आयुक्त को कहा है कि किसी भी कार्य की शुरूआत से पूर्व प्रभावित निवासियों को पूर्ण जानकारी प्रदान की जाए तथा उनकी राय ली जाए। समस्त निकटवर्ती इमारतों की संरचनात्मक सुरक्षा की जाँच वी.जे.टी.आई. तथा/अथवा आई.आई.टी. के विशेषज्ञों द्वारा कराई जाए। कार्य के दौरान किसी प्रकार की क्षति अथवा दुर्घटना न होने की लिखित गारंटी प्रदान की जाए। किसी भी क्षति/दुर्घटना की स्थिति में पूर्ण दायित्व स्वीकार करने का लिखित आश्वासन दिया जाए। निर्माण संबंधी समस्त नियमों एवं सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। कार्य स्थल पर पूर्णकालिक रूप से उत्तरदायी अधिकारी की नियुक्ति एवं निरंतर उपस्थिति अनिवार्य की जाए। प्रदूषण नियंत्रण एवं पर्यावरण संरक्षण के उपायों का सख्ती से अनुपालन किया जाए। निवासियों के जीवन, सुरक्षा एवं कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान की जाए।

मीरा भयंदर की जनता ने भाजपा को चुनाव में ऐतिहासिक प्रचंड बहुमत से जिताया

◆भाजपा ने पहले ही महासभा में जनता को सौगात के रूप में 60% टैक्स लगाकर सताया

◆वही भाजपा सत्ता की नगरसेवीका नीला सोंस ने बढ़े हुए टैक्स पर विरोध जताया।

मीरा-भाईंदर (उत्तरशक्ति)। उदयभान गुप्ता मीरा-भाईंदर में हुए 2026 मनपा चुनाव में जनता ने भारतीय जनता पार्टी को ऐतिहासिक प्रचंड बहुमत से जिताकर सत्ता सौंपी। लेकिन सत्ता संभालते ही पहली ही महासभा में 60% टैक्स बढ़ोतरी के प्रस्ताव को मंजूरी दिए जाने से शहर की राजनीति में हलचल मच गई है। जनता जहां विकास और राहत की उम्मीद कर रही थी, वहीं टैक्स में भारी बढ़ोतरी ने आम नागरिकों की जेब पर सीधा असर डाला है। विपक्ष ने इसे जनादेश के साथ विश्वासघात करार दिया है और सवाल उठाया है कि क्या प्रचंड बहुमत का मतलब जनता पर आर्थिक बोझ डालना है? इस पूरे घटनाक्रम में सबसे अहम बात यह रही कि भाजपा की ही नगरसेविका नीला सोंस ने बढ़े हुए टैक्स का खुलकर विरोध जताया। उन्होंने महासभा में अपनी ही पार्टी के फैसले पर आपत्ति दर्ज कराते हुए कहा कि इतनी बड़ी बढ़ोतरी से जनता पर बहुत भार पड़ेगा। उनके इस रुख की शहर में चर्चा हो रही है। और कई नागरिक संगठनों ने उनके साहस की सराहना की है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है। कि यह मामला आने वाले समय में सत्ताधारी दल के भीतर मतभेदों को उजागर कर सकता है। वहीं आम जनता अब यह सवाल पूछ रही है कि क्या चुनावी वादों में टैक्स बढ़ोतरी का जिक्र था? अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि क्या भाजपा नेतृत्व इस फैसले पर पुनर्विचार करेगा या जनता को बढ़े हुए टैक्स का बोझ उठाना पड़ेगा।

उत्तरशक्ति

* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

आजमगढ़ में दो सड़क हादसों में दो की मौत

मुबारकपुर-सठियांव मार्ग पर ट्राली व मंदुरी में कार की टक्कर से हुआ हादसा

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। जिले में 24 घंटे के भीतर हुए दो अलग-अलग सड़क हादसों में दो लोगों की मौत हो गई। दोनों घटनाओं के बाद परिवारों में कोहराम मच गया। वहीं क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। पुलिस ने दोनों मामलों में शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर कार्रवाई शुरू कर दी है। बुधवार सुबह मुबारकपुर-सठियांव मार्ग पर गन्ने से लदे ट्रैक्टर ने साइकिल सवार को अपनी चपेट में ले लिया। हादसा इतना भीषण था कि साइकिल सवार की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान स्थानीय क्षेत्र के आदमपुर निवासी 64 वर्षीय रामबचन चौहान के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने ट्रैक्टर समेत चालक को हिरासत में ले लिया है और मामले की जांच जारी है।

मंगलवार रात कंधरापुर थाना क्षेत्र के मंदुरी में तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान अतरौलिया बाजार निवासी 35 वर्षीय गुड्डू सोनी के रूप में हुई है, जो किराना व श्रृंगार की छोटी दुकान चलाकर परिवार का भरण-पोषण करते थे। जानकारी के अनुसार, गुड्डू सोनी मंगलवार रात करीब 9:30 बजे शहर से दुकान का सामान लेकर मोटरसाइकिल से घर लौट रहे थे। मंदुरी के पास पीछे से आ रही अनियंत्रित कार ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद कार चालक वाहन मौके पर छोड़कर फरार हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से गंभीर रूप से घायल गुड्डू को जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक के भाई संतराम सोनी ने कंधरापुर थाने में अज्ञात कार चालक के खिलाफ तहरीर दी है। पुलिस ने कार को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। गुड्डू सोनी अपने पीछे पत्नी अर्चना, 10 वर्षीय पुत्र यश और 5 वर्षीय पुत्री तनु को छोड़ गए हैं। उनकी असमय मृत्यु से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है और नगर पंचायत क्षेत्र में गहरा शोक व्याप्त है।

कलेक्ट्रेट परिसर में स्थापित ई-डिस्ट्रिक्ट सेल का जिलाधिकारी ने किया औचक निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ० दिनेश चंद्र के द्वारा उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की परिषदीय बोर्ड परीक्षा-2026 को निष्पक्ष, पारदर्शी और नकल विहीन संपादित कराये जाने के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट परिसर में स्थापित ई-डिस्ट्रिक्ट सेल का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान ई-डिस्टिक सेल प्रभारी, दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी दिव्या शुक्ला को निर्देशित किया गया कि सभी परीक्षा केंद्रों की ऑनलाइन सतत निगरानी सुनिश्चित की जाए तथा किसी भी प्रकार की समस्या उत्पन्न होने पर तत्काल उच्च अधिकारियों को अवगत कराया जाए। जिलाधिकारी ने बताया कि मा0 मुख्यमंत्री जी के प्रेरणा से जनपद में परीक्षा को शांतिपूर्ण एवं नकलविहीन ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन कटिबद्ध है जिसके सभी आवश्यक तैयारियां की गई हैं। जिला प्रशासन विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी नकलविहीन परीक्षा संपन्न कराने के लिए संकल्पित है।

उन्होंने बताया कि जनपद में कुल 206 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा आयोजित की जा रही है। 06 जोनल मजिस्ट्रेट, 22 सेक्टर मजिस्ट्रेट तथा 206 स्टैटिक मजिस्ट्रेट नियुक्त किए गए हैं। इसके अतिरिक्त रिजर्व अधिकारियों की भी ड्यूटी लगाई गई है। आयोग के निर्देशानुसार हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षा-2026 का आयोजन 18 फरवरी 2026 से 12 मार्च 2026 तक दो पालियों में किया

जाएगा। प्रथम पाली प्रातः 8:30 बजे से 11:45 बजे तक तथा द्वितीय पाली अपराह्न 2:00 बजे से 5:15 बजे तक आयोजित होगी। हाईस्कूल में कुल 77,042 तथा इंटरमीडिएट में 77,080 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं।

जिलाधिकारी ने बताया कि कलेक्टर परिसर में ई-डिस्टिक सेल स्थापित किया गया जिसका फोन नंबर 05452318005 है और किसी भी समस्या की स्थिति में विभागीय कंट्रोल रूम नंबर 7905471191 एवं 9451962481 पर संपर्क किया जा सकता है। जिलाधिकारी ने जनपद के समस्त परीक्षार्थियों को शुभकामना देते हुए परीक्षा को सुचितापूर्ण एवं नकलवीहिन सम्पन्न कराने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अम्बष्ट, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व परमानंद झा, जिला सूचना अधिकारी मनोकामना राय, प्रधानाचार्य राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भकुरा प्रभाकर सिंह, शशि राव सहित ई-डिस्टिक सेल में लगाए गए अधिकारीगण और कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

विधवाओं-दिव्यांगों में सीता मैया को पहचाने सरकार: डा.रागिनी सोनकर

गरीबों से एक तरफ पेंशन बांटो, दूसरी तरफ बिजली बिल से डबल वसूली!

उत्तर प्रदेश विधानसभा में ऊर्जा मंत्री पर जमकर बरसीं डॉ.रागिनी सोनकर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश विधानसभा में आज बुधवार को मछली शहर की सपा विधायक डॉक्टर रागिनी सोनकर ने ऊर्जा मंत्री से गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले अंत्योदय कार्डधारकों, विधवा महिलाओं, वृद्धजनों और दिव्यांग जनों को बिजली बिल में राहत प्रदान करने पर कड़े सवाल उठाए। उन्होंने सदन में मंत्री के दोहरे चरित्र पर तंज कसते हुए कहा कि सदन में तो आम बबूल की बातें और पुरानी सरकारों पर आरोप लगाते आंखें बबूल हो जाती हैं, लेकिन क्षेत्र में जाकर प्रभु श्रीराम और सीता मैया की कहानी सुना कर अधिकारियों को डराते हैं। विधायक ने स्पष्ट किया कि प्रदेश में लगभग 40 लाख अंत्योदय कार्डधारक गरीबी रेखा से

बहुत नीचे हैं, जिनके लिए कोई विशेष बिजली स्कीम नहीं लाई गई। 300 यूनिट बिजली का सालाना बिल 20,800 रुपये आता है, जबकि विधवाओं को मात्र 1,000 रुपये पेंशन दी जा रही है लेकिन 1,740 रुपये बिजली बिल वसूला जाता है। इसी प्रकार दस लाख दिव्यांगों और वृद्धों से पेंशन के नाम पर एक तरफ 1,000 रुपये देकर दूसरी तरफ बिजली बिल से डबल वसूली की जा रही है।

विधायक डॉक्टर सोनकर ने कहा कि अंत्योदय कार्डधारकों, विधवाओं, वृद्धों और दिव्यांगों को 300 यूनिट बिजली मुफ्त प्रदान की जाए, बिजली बिल में वर्तमान सब्सिडी (जैसे 3.50 रुपये प्रति यूनिट अंत्योदय पर) को बढ़ाकर पूर्ण छूट दी जाए। उन्होंने कहा कि सरकार 'सीता मैया' की कथा सुनाने के बजाय इन गरीब परिवारों की महिलाओं और दिव्यांगों में सीता मैया को पहचानें, जैसा प्रभु राम ने बाण चलाया तो न राक्षस बचे न ब्रह्मा-। विधायक ने चेतावनी दी कि नेता सदन का दावा है कि 6 करोड़ परिवार गरीबी रेखा से ऊपर आ गए, लेकिन राशन पर निर्भरता बनी हुई है। नौ साल की सरकार में ये परिवार बिजली बिल चुकाने में सक्षम नहीं बने। सरकार से तत्काल स्पष्ट उत्तर और कार्रवाई की मांग की गई है।

एसपी आदित्य लांग्हे ने 50 पुलिसकर्मियों का किया तबादला, तुरंत ज्वाइन करने के आदेश

चंदौली (उत्तरशक्ति)। जनपद की कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत और चुस्त-दुरुस्त बनाने के लिए चंदौली पुलिस महकमे में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। पुलिस अधीक्षक आदित्य लांग्हे ने करीब चार दर्जन से अधिक (लगभग 50) पुलिसकर्मियों का तबादला करते हुए नई तैनाती के आदेश जारी कर दिए हैं।

पुलिस स्थापना बोर्ड की बैठक के बाद जारी इस सूची में मुख्य आरक्षी, महिला व पुरुष कांस्टेबल शामिल हैं, जिन्हें जिले के विभिन्न थानों, चौकियों और महत्वपूर्ण डेस्क पर भेजा गया है।

लंबे समय से जमे कर्मियों पर गिरी गाज: इस तबादला प्रक्रिया में खास तौर पर उन पुलिसकर्मियों को बदला गया है, जो काफी समय से

◆ चंदौली पुलिस में बड़ा प्रशासनिक भूचाल

एक ही स्थान पर तैनात थे। प्रशासन का मानना है कि लंबे समय तक एक ही जगह रहने से कार्यशैली में ढिलापन आता है, जिसे खत्म करने के लिए यह कदम जरूरी था।

महिला सुरक्षा को लेकर विशेष फोकस: एसपी आदित्य लांग्हे ने महिला सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए कई महिला कांस्टेबलों को महिला सुरक्षा केंद्रों और हेल्प डेस्क पर तैनात किया है, ताकि महिलाओं को त्वरित सहायता और भरोसेमंद सुरक्षा मिल सके।

तत्काल ज्वाइन करने के सख्त निर्देश: एसपी ने साफ शब्दों में कहा है कि सभी संबंधित पुलिसकर्मी बिना किसी देरी के अपनी नई तैनाती पर कार्यभार ग्रहण करें। आदेश में चेतावनी दी गई है कि ड्यूटी में लापरवाही या देरी को किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

इस सामूहिक तबादले के बाद चंदौली पुलिस महकमे में हलचल तेज हो गई है और माना जा रहा है कि इसका सीधा असर जिले की कानून-व्यवस्था पर देखने को मिलेगा।

केराकत क्षेत्र के मुर्की गांव में मतदाता सूची को लेकर सनसनीखेज मामला आया सामने

रियाजुल हक

मुफ्तीगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत क्षेत्र के मुर्की गांव में मतदाता सूची को लेकर सनसनीखेज मामला सामने आया है। सुमैया बानो पत्नी मोहम्मद अफसर ने मंगलवार को निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को पत्रक सौंप कर

आरोप लगाया कि उनके वोटर आईडी नंबर का दुरुपयोग कर किसी अज्ञात युवक ने उनके ग्राम पंचायत वोटर आईडी के भाग संख्या 138 और 139 पर कुल 146 मतदाताओं को स्थायी रूप से स्थानांतरित दिखा दिया। सुमैया ने पत्रक में लिखा कि उनका नाम निर्वाचन नामावली के भाग संख्या 139 व क्रम संख्या 103 पर अंकित है और इस तरह के कृत्य से उन्हें बदनाम किया जा रहा है। उन्होंने उच्च अधिकारियों से मुकदमा दर्ज कर कठोर कार्रवाई की मांग की है।

पुलिस ने चोरी की बकरी के साथ चोर को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद स्थानीय स्टेशन के पूर्वी क्रासिंग के पास पुलिस ने मंगलवार की देर रात को एक चोर को चोरी की बकरी के साथ गिरफ्तार कर लिया। क्षेत्र के किरतापुर गांव निवासी अमलेश पाल की बकरी 16 फरवरी की रात को चोरी हो गयी थी।उसने घटना की सूचना पुलिस को दिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज करके चोर के खोजबीन में लग गयी। मंगलवार की देर रात को मुखबिर से थानाध्यक्ष श्री प्रकाश शुक्ल को सूचना मिली कि एक व्यक्ति एक बकरी को लेकर ऊक्त रेलवे क्रासिंग के पास बकरी के साथ मौजूद है। थानाध्यक्ष श्री प्रकाश शुक्ल ने तत्काल एस आई अरविंद यादव व अन्य फोर्स के साथ मौके पर पहुंच कर उसे पकड़ लिया।उसने अपना नाम शिवम यादव पुत्र सीताराम यादव थाना गौराबादशाहपुर के हनुवाडीह गांव का निवासी बताया। उसने किरतापुर गांव के अमरेश पाल की बकरी चोरी करने की बात भी कबूला। पुलिस ने अमरेश पाल को बुलाकर उसे बकरी सौप दिया।

विश्वविद्यालय में रोजगार-योग्यता कौशल प्रशिक्षण शुरू

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के केंद्रीय प्रशिक्षण एवं नियोजन प्रकोष्ठ द्वारा नांदी फाउंडेशन एवं महिंद्रा प्राइड क्लासरुम के संयुक्त तत्वावधान में तथा राष्ट्रीय कौशल विकास निगम के सहयोग से विश्वविद्यालय परिसर में अध्ययनरत छात्राओं हेतु ह्लरोजगार-योग्यता संवर्धन कौशलह्व विषय पर एक सप्ताह का व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। यह कार्यक्रम माननीय कुलपति जी की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन के अनुसार दिनांक 17 फरवरी से 23 फरवरी, 2026 तक विश्वविद्यालय के इनक्यूबेशन केंद्र में संचालित किया जा रहा है। प्रशिक्षण हेतु राष्ट्रीय कौशल विकास निगम द्वारा नामित प्रशिक्षक हिना मिश्रा एवं रोहित द्वारा अंग्रेजी बोलचाल, संप्रेषण कौशल, वित्तीय साक्षरता, डिजिटल जागरूकता तथा साक्षात्कार कौशल जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य

छात्राओं को रोजगार की वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप आवश्यक कौशल प्रदान कर उन्हें रोजगार हेतु योग्य बनाना है। प्रथम दिवस छात्राओं का ऑनलाइन पंजीकरण कराया गया तथा उन्हें कार्यक्रम की रूपरेखा बताई गई। साथ ही साक्षात्कार अभ्यास भी कराया गया। विभिन्न विभागों की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और कार्यक्रम को ज्ञानवर्धक व करियर निर्माण हेतु उपयोगी बताया। समापन पर प्रतिभागी छात्राओं को प्रमाण-पत्र प्रदान किए जाएंगे। इस अवसर पर उप समन्वयक सुशील कुमार ने अतिथियों का स्वागत किया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. नितेश जायसवाल ने किया। कार्यक्रम में उप समन्वयक विशाल यादव, छात्र स्वयंसेवक सूर्यांशु मिश्रा, शिवम यादव, विनीत सिंह, आरती यादव, ब्यूटी मौर्या, सत्य प्रकाश मिश्रा सहित छात्राएं उपस्थित रहीं।

मुंगराबादशाहपुर थाना के दरोगा पर जमीन हथियाने का आरोप

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पुलिस अधीक्षक जौनपुर से स्पष्टीकरण के साथ दो हफ्ते में व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल करने या कोर्ट में हाजिर होने का निर्देश दिया है।

हाईकोर्ट ने एसपी जौनपुर से पूछा है कि प्रश्नगत प्लाट जिसकी 3 फरवरी 18 को याची के पक्ष में बैनामा हुआ है, उस पर किसका कब्जा है। क्या मुंगराबादशाहपुर थाना के पुलिस उपनिरीक्षक वीरेंद्र यादव का निर्माण ढहाकर किसी दूसरे को कब्जा सौंपने में कोई भूमिका रही है और क्या याचिका में जिस निर्माण का फोटो दाखिल किया गया है वह याची की जमीन पर या बगल की जमीन पर है।

याची ने पुलिस उपनिरीक्षक पर आरोप लगाया है कि उसने याची का निर्माण ढहाकर विपक्षियों का निर्माण करा रहा है। शिकायत के बावजूद पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की है। पुलिस के खिलाफ गंभीर आरोप को

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एसपी जौनपुर से दो हफ्ते में मांगी जानकारी

देखते हुए सत्यापन के लिए कोर्ट ने एसपी जौनपुर से सफाई हलफनामा मांगा है। याचिका की अगली सुनवाई दो हफ्ते बाद होगी। यह आदेश न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन तथा न्यायमूर्ति सिद्धार्थ नंदन की खंडपीठ ने नागेंद्र प्रसाद विश्वकर्मा व अन्य की याचिका की सुनवाई करते हुए दिया है। याची का कहना है कि उप निरीक्षक वीरेंद्र यादव उसकी जमीन हथियाना चाहता है। लाखों की जमीन मात्र दो लाख में बेचने का दबाव डाल रहा है। कहा कि 15 से 20 लोग इकट्ठा होकर याची की जमीन पर जबरन निर्माण करा रहे हैं और ताला सहित गेट लगा दिया है। पुलिस प्रशासन को कई शिकायते की गई। किंतु कोई कार्रवाई नहीं की गई तो हाईकोर्ट की शरण ली है। इसके विरोध में कहा गया कि मुंगराबादशाहपुर के उप निरीक्षक सुरेंद्र प्रताप तिवारी की रिपोर्ट में कहा गया है कि दो पक्षों में जमीन को लेकर विवाद है। धारा 170 की कार्यवाही की गई है। चालान किया गया है। किंतु कोर्ट ने कहा कि उप निरीक्षक पर गंभीर आरोप है। इसलिए इसका सत्यापन किया जाना जरूरी है और एसपी से हलफनामा दाखिल कर जानकारी मांगी है।

सीडा सतहरियां में निमार्णाधीन पार्क का जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र द्वारा अटल औद्योगिक इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन के तहत सीडा सतहरियां में निर्माणाधीन पार्क और नाली निर्माण कार्य का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पाया कि पार्क की बाउंड्रीवाल का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है तथा स्थल पर

अन्य विकास कार्य भी प्रगति पर है। निरीक्षण के समय जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि पार्क के पाथ-वे के किनारे-किनारे शोभाकार पौधे लगाए जाएं, जिससे पार्क का सौंदर्य बढ़े तथा पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिले। उन्होंने कहा कि पौधरोपण कार्य गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाए तथा पौधों की नियमित सिंचाई एवं संरक्षण की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही पार्क में स्वच्छता, समुचित प्रकाश व्यवस्था एवं जनसुविधाओं का विशेष ध्यान रखने के निर्देश भी दिए गए, ताकि आमजन को भविष्य में एक सुव्यवस्थित पार्क की सुविधा उपलब्ध हो सके। नाली के अवशेष कार्य को भी ससमय पूर्ण कर लेने के निर्देश दिये गये। इस अवसर पर अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी आशुतोष पाठक, प्रबन्धक सीविल सीडा मो0 शारिक सहित अन्य उपस्थित रहे।

गंगा तट पर सुरक्षा और स्वच्छता का दिया संदेश, लाइफ जैकेट पहनने को किया जागरूक

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के गंगा में नावों के टकराने के बाद बुधवार को नमामि गंगे की ओर से व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के तहत नाविकों और पर्यटकों को गंगा में नौकायन के दौरान सुरक्षा मानकों का पालन करने और स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया।अभियान का मुख्य

केंद्र श्रीकाशी विश्वनाथ धाम स्थित गंगा द्वार रहा, जहां श्रद्धालुओं और पर्यटकों को ध्वनि विस्तारक यंत्र के माध्यम से सुरक्षा संबंधी निर्देश दिए गए। लोगों से अपील की गई कि नाव पर बैठते समय अनिवार्य रूप से लाइफ जैकेट पहनें और नाव की निर्धारित क्षमता से अधिक सवारी न करें। अत्यधिक भीड़ से बचने और परिवार की सुरक्षा को प्राथमिकता देने पर विशेष जोर दिया गया।

जागरुकता कार्यक्रम में मेक्सिको से आए विदेशी सैलानियों ने भी उत्साहपूर्वक भागीदारी की और स्वच्छता संदेश को आगे बढ़ाया। नमामि गंगे काशी क्षेत्र के संयोजक एवं नगर निगम के स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर राजेश शुक्ला ने नावों पर सवार श्रद्धालुओं से कहा कि सुरक्षा नियमों का पालन ही किसी भी दुर्घटना से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है। उन्होंने गंगा तट की स्वच्छता बनाए रखने और प्लास्टिक सहित अन्य कचरा न फैलाने का भी आग्रह किया।

श्रद्धालुओं ने स्वच्छता स्लोगन लिखी तख्तियों के साथ गंगा को निर्मल और सुरक्षित रखने का संकल्प लिया। अभियान में सामाजिक कार्यकताओं, नाविकों और स्थानीय लोगों ने सक्रिय सहयोग दिया। आयोजकों ने स्पष्ट किया कि गंगा की पवित्रता के साथ-साथ श्रद्धालुओं की सुरक्षा भी सर्वोपरि है, और इसके लिए सामूहिक जागरूकता आवश्यक है।

एसपी ने रिजर्व पुलिस लाइन का किया निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के कुँवर अनुपम सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन का किया गया निरीक्षण। दिनांक 18.02.2026 को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर, कुँवर अनुपम सिंह द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन जौनपुर का विस्तृत निरीक्षण किया गया। एसएसपी द्वारा पुलिसकर्मियों के लिए उपलब्ध कैंटीन, जलपान गृह, यातायात शाखा सहित विभिन्न कार्यालयों और बैरेक का निरीक्षण किया गया। उन्होंने साफ-सफाई और गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए ताकि पुलिसकर्मियों को बेहतर वातावरण मिल सके। निरीक्षण के दौरान अभिलेखों के रख-रखाव हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पुलिस लाइन परिसर में हो रहे नए निर्माण कार्यों का निरीक्षण करते हुए उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण कार्य में प्रयुक्त सामग्री की गुणवत्ता से कोई समझौता न किया जाए। कार्य को समय सीमा के भीतर पूर्ण करने की हिदायत दी गई। इस अवसर पर सहायक पुलिस अधीक्षक (आईपीएस) गोल्डी गुप्ता, क्षेत्राधिकारी सदर देवेश सिंह, प्रतिसार निरीक्षक जौनपुर तथा अन्य संबंधित अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

दुद्धी विकास खंड के छात्रों ने हिण्डाल्को स्कूल ऑफ एक्सीलेंस में किया शैक्षिणिक भ्रमण

रेणुकूट,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। दुद्धी विकास खंड के शिक्षाधिकारी प्रेम शंकर राम के नेतृत्व में कक्षा 6 से 8 के तकरीबन 100 छात्र-छात्राओं ने हिण्डाल्को के ट्रेनिंग सेंटर- हिण्डाल्को स्कूल ऑफ एक्सीलेंस का एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण किया। जिसका उद्देश्य कौशल विकास और आधुनिक तकनीकी ज्ञान को बढ़ाना था।

बच्चों को आधुनिक तकनीकियों में निपुण बनाना और रोजगारपरक शिक्षा के लिए अभी से तैयार करने के उद्देश्य से कार्यशाला के दौरान दुद्धी विकास खंड के छात्र-छात्राओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और प्लांट की मशीनों के संचालन व उत्पादन प्रक्रिया को लेकर विभिन्न पहलुओं पर गहन जानकारी और तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान किया गया। भ्रमण के दौरान छात्र-छात्राओं को अत्याधुनिक लैब में आधुनिक तकनीकी ज्ञान से परिचित कराया गया। हिण्डाल्को स्कूल ऑफ एक्सीलेंस की उपमहाप्रबंधक श्रीमती सोनाली साओ, सहायक प्रबंधक श्री सूरज दास, डिप्टी मैनेजर श्री सेबेस्टियन जोश व अन्य ने हिण्डाल्को की विशेषज्ञ टीम के साथ मिलकर छात्रों को सुरक्षा, नवीन तकनीकों और औद्योगिक प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर हिण्डाल्को जनसंपर्क एवं प्रशासनिक विभाग के महाप्रबंधक यशवंत कुमार, जनसम्पर्क अधिकारी प्रशान्त श्रीवास्तव, हिण्डाल्को स्कूल ऑफ एक्सीलेंस की श्रीमती अस्मिता प्रजापति व प्रशिक्षक उपस्थित रहे। इस अवसर पर दुद्धी विकास खंड के शिक्षाधिकारी श्री प्रेम शंकर राम ने कहा कि राज्य परियोजना कार्यालय लखनऊ के निर्देश के क्रम में राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के तहत बच्चों की परीक्षा कराई गई थी। इस परीक्षा में उत्तीर्ण सुपर 100 बच्चों के शैक्षणिक विजिट का आयोजन किया गया है। उन्होंने आगे बताया कि हिण्डाल्को एवं दुद्धी

विकासखंड के इस संयुक्त प्रयास से छात्रों को न केवल तकनीकी कौशल प्राप्त होगा, बल्कि उनके रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। यह कार्यशाला और भ्रमण छात्रों के लिए आधुनिक तकनीकों को समझने और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के क्षेत्र में विशेषज्ञता हासिल करने का सुनहरा अवसर साबित हुआ है। इस आयोजन ने छात्रों को नवाचार और आधुनिक तकनीकी ज्ञान से लैस करने के साथ-साथ उनकी व्यावसायिक सफलता की संभावनाओं को मजबूत किया है। उन्होंने इस आयोजन पर हिण्डाल्को प्रबंधन एवं जिला बेसिक शिक्षाधिकारी श्री मुकुल आनंद पांडेय का भी धन्यवाद ज्ञापित किया।

तहसील परिसर बदहाल, नई बिल्डिंग बनी पान-गुटखा की पीक का अड्डा

प्रशासनिक कार्यालयों के बीच सफाई व्यवस्था पर सवाल

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शाहगंज तहसील परिसर में स्वच्छता व्यवस्था की स्थिति चिंताजनक होती जा रही है। तहसील परिसर के विभिन्न हिस्सों में फैली गंदगी और दीवारों पर पान-गुटखा की पीक के कारण नई प्रशासनिक बिल्डिंग का स्वरूप बिगड़ गया है। स्थानीय लोगों और आगंतुकों का कहना है कि सरकारी कार्यालयों की गरिमा के अनुरूप साफ-सफाई का अभाव साफ दिखाई देता है।

नई इमारत की दीवारें बनीं पीक का निशाना: तहसील परिसर की नई इमारत, जिसे प्रशासनिक कार्यों को सुचारु और व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से तैयार किया गया था, आज दीवारों पर पड़े लाल दागों के कारण बदहाल दिख रही है। परिसर के गलियारों, सीढ़ियों और कोनों में गुटखा व पान की पीक के निशान साफ नजर आते हैं, जिससे न केवल सौंदर्य खराब हो रहा है बल्कि स्वच्छता मानकों पर भी प्रश्न उठ रहे हैं।

जिम्मेदार दफ्तरों के पास ही अव्यवस्था: चिंता की बात यह है कि इसी परिसर में एसडीएम, सीओ और तहसीलदार सहित कई प्रशासनिक अधिकारियों के कार्यालय स्थित हैं। आम नागरिकों का कहना है कि जहां से व्यवस्था और अनुशासन की उम्मीद की जाती है, वहीं इस प्रकार की स्थिति प्रशासनिक निगरानी पर सवाल खड़े करती है।

आगंतुकों को हो रही असुविधा: तहसील में रोजाना बड़ी संख्या में लोग अपने कार्यों के लिए पहुंचते हैं। गंदगी और अस्वच्छ वातावरण के कारण लोगों को असुविधा का सामना करना पड़ता है। कई लोगों ने बताया कि परिसर में साफ-सफाई की नियमित व्यवस्था और जागरूकता अभियान की आवश्यकता है।

स्वच्छता नियमों के पालन की जरूरत: स्थानीय नागरिकों और सामाजिक कार्यकताओं ने परिसर में थूकने पर रोक, कूड़ेदान की पर्याप्त व्यवस्था और नियमित सफाई अभियान चलाने की मांग की है। उनका कहना है कि प्रशासनिक कार्यालयों से ही स्वच्छता का संदेश जाना चाहिए।

प्रशासन से कार्रवाई की अपेक्षा: लोगों को उम्मीद है कि संबंधित अधिकारी इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए परिसर की साफ-सफाई सुनिश्चित करेंगे, ताकि सरकारी संस्थानों की गरिमा बनी रहे और नागरिकों को स्वच्छ वातावरण मिल सके।

जी.आर तिवारी बाल भवन इंग्लिश हाईस्कूल में अखंड रामायण पाठ और भंडारा संपन्न

नालासोपारा। नालासोपारा पूर्व स्थित जी.आर. तिवारी बाल भवन इंग्लिश हाईस्कूल में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर श्री रामचरित मानस पाठ (अखंड रामायण पाठ) एवं महाप्रसाद भंडारे का भव्य आयोजन किया गया। अखंड रामायण पाठ की पूर्णाहुति के उपरांत विधिवत आरती एवं हवन संपन्न हुआ। तत्पश्चात उपस्थित सभी श्रद्धालुओं ने महाप्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। इस अवसर पर कार्यक्रम के आयोजक विवेक रमेश तिवारी, रमेश तिवारी एवं विशाल रमेश तिवारी द्वारा मुख्य अतिथि नगरसेवक हर्षद चौधरी एवं प्रमोद तिवारी, समाजसेवक विजय मिश्रा, दयाशंकर तिवारी, पंकज तिवारी, संजय तिवारी, पन्ना तिवारी, गौतम शुक्ला सहित सभी आगंतुक अतिथियों का श्री रामनामी दुपट्टा ओढ़ाकर आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया गया। महाशिवरात्रि के अवसर पर इस पावन आयोजन में श्रद्धा, भक्ति और सामाजिक एकता का सुंदर संगम देखने को मिला।

हादसे के बाद चांदी से भरा बैग लेकर फरार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के थाना जलालपुर क्षेत्र में एक हाईवे के पास सड़क हादसे के बाद बाइक सवार बदमाशों ने आभूषण बनाकर बाजारों में बेचने वाले एक युवक का चांदी से भरा बैग लेकर फरार हो गयें हैं। जिला वाराणसी के रामनगर थाना क्षेत्र के कोदोपुरथाला गांव निवासी कन्हैया वर्मा ने पुलिस को तहरीर देते हुए बताया कि उनका पुत्र आशीष वर्मा चांदी के आभूषण को तैय्यार कर कई जगहो पर बाजारों में उन्हें बेचता है। आगे उन्होंने आरोप लगाते हुए बताया कि बीते सोमवार की रात मेरा बेटा आशीष अपने साथी युवक द्वारश खरवार के साथ जौनपुर बाजार से चांदी के आभूषण को बेचकर अपनी बाइक से घर वापस लौट रहा था कि करीब 10 बजे अकबरपुर अंडरपास के ऊपर हाईवे पर बाइक अचानक अनियंत्रित होकर फिसल गई। इस घटना में दोनों बाइक सवार युवक गिर पड़े। घटना के बाद एक मोटरसाइकिल पर सवार दो अज्ञात बदमाश आएं और आशीष के पास पड़ा चांदी के जेवरात से भरा बैग लेकर वहां से फरार हो गए। बाइक के फिसलने के कारण युवक आशीष घायल हो गया है। मामले को लेकर पुलिस जांच करना बता रही है।

भारतीय कुश्ती संघ में डा. रोहित का हुआ चयन

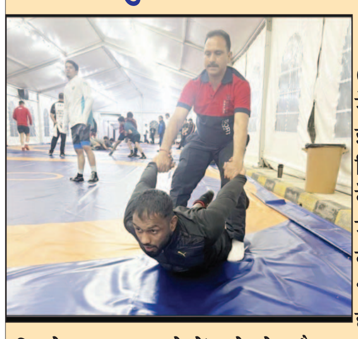

-गुड़िया बिन्द

चन्दवक, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय क्षेत्र में स्थित सत्कार ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूटसन के मास्टर ऑफ फिजियोथेरेपी इन आर्थोपेडिक के छात्र व वीपीए सदस्य डा.रोहित वीरेंद्र सिंह ने नये कीर्तिमान स्थापित करते हुये भारतीय कुश्ती संघ में चयन हुआ है। चयन की खबर मिलने पर बुधवार को सेंटर के चेयरमैन व वीपीए सचिव डॉ.अवनीश सिंह ने एक–दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई देते हुये सत्कार ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूटसन के लिये गर्व का विषय बताया। साथ ही कहा कि इस चयन के लिये भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष व वाराणसी खण्ड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के दावेदार संजय सिंह का आभार प्रकट करते हैं। उन्होंने बताया कि बनारस फिजियो कॉन्क्लेव के बाद यह दूसरी सबसे बड़ी सफलता है। यह सफलता हमारी एकजुटता हमारी ताकत का प्रतीक भी है। इस अवसर पर वाराणसी कुश्ती संघ के उपाध्यक्ष डॉ. पंकज सिंह, डॉ. सुरेश सिंह, सरत, शुभम, डॉ. मयंक सिंह, डॉ. अभिनव, डॉ. रुद्रेश समेत तमाम मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने किया बोर्ड परीक्षा केंद्र का औचक निरीक्षण, दिए सख्त निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र ने उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की परिषदीय बोर्ड परीक्षा-2026 को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं नकल विहीन संपादित कराए जाने के उद्देश्य से किसान आदर्श राष्ट्रीय इंटर कॉलेज, प्रतापगंज में बनाए गए परीक्षा केंद्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने परीक्षा केन्द्र पर विभिन्न कक्षों का भ्रमण कर परीक्षार्थियों की बैठने की व्यवस्था, प्रश्नपत्रों की सुरक्षा, सीसीटीवी कैमरों की सक्रियता, स्ट्रांग रूम की व्यवस्था तथा केंद्र पर तैनात कक्ष निरीक्षकों की उपस्थिति का जायजा लिया। उन्होंने केंद्र व्यवस्थापक को निर्देशित किया कि परीक्षा की शुचिता बनाए रखने हेतु शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित किया जाए। किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा नकल की शिकायत पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। परीक्षा केंद्र पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, प्रवेश द्वार पर सघन तलाशी लिए जाने के निर्देश भी दिए गए। इस अवसर पर संबंधित अधिकारी एवं केंद्र व्यवस्थापक सहित अन्य उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सीएम युवा उद्यमी विकास योजना और पीएम सूर्याघर योजना की समीक्षा बैठक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में सीएम युवा उद्यमी विकास योजना और पीएम सूर्याघर योजना की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। जिलाधिकारी द्वारा बैंक प्रतिनिधियों से सीएम युवा उद्यमी विकास योजना अंतर्गत प्राप्त आवेदन, ऋण वितरण और स्वीकृति की जानकारी ली गई। इस दौरान उन्होंने आगामी 20 फरवरी को आयोजित होने वाले मेगा कैंप में अधिक से अधिक आवेदन कराने तथा ऋण वितरण की प्रक्रिया को गति देने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि जिन भी आवेदन में अपूर्ण दस्तावेज लगे हैं आवेदनकर्ता से संपर्क करते हुए आवेदन पूर्ण कराएं, अनावश्यक आवेदन रिजेक्ट ना किया जाए। इसके साथ ही उन्होंने पीएम सूर्य घर योजना की प्रगति की समीक्षा की तथा आवेदन बढ़ाने तथा अपेक्षित प्रगति के निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, नगर मजिस्ट्रेट इंद्रनंदन सिंह, उपायुक्त उद्योग, एलडीएम सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

इंदौर में एमबीए छात्रा की हत्या

-प्रणीत तिवारी चीफ ब्यूरो

इंदौर (उत्तरशक्ति)। इंदौर स्थित द्वारकापुरी में 10 फरवरी पीयूष ने एमबीए छात्रा की हत्या कर फरार हो गया। उसे मुंबई में पुलिस के सहयोग द्वारा पनवेल से गिरफ्तार कर लिया गया है। उसे मंगलवार को इंदौर लाया गया है। इंदौर में एमबीए छात्रा की हत्या की आरोपी पीयूष धामनोतिया को जरा भी मलाल नहीं है मंगलवार दोपहर उसे घटनास्थल लेजाया गया था । सीधे किचन में पहुंचकर और कहा कि मैं मैगी बनाकर खिलाई थी इसके बाद निर्वस्त्र किया और हाथ पैर बांधकर मार डाला तलाशी के दौरान पर्स से एक लेटर मिला उसने लिखा था कि मैंने उसकी हत्या कर दी है । मुझे फांसी दे दो पुलिस ने पत्र को इस सजा के लिए अहम सबूत बनाएगी । उसने बताया कि मैंने मैगी बनाकर खिलाई और उसका हाथ पैर बांध कर हत्या कर दी। पुलिस ने द्वारकापुरी थाना टीआई मनीष मिश्रा के अनुसार कड़ियां जोड़ने के लिए पुलिस ने नाट्य रूपांतरण करवा है। अंकल गली स्थित रुम पर ले जाया गया था। करीब 40 मिनट रुम में रुका और उसने वो सब कुछ बताया, जो छात्रा के साथ हुआ। उसने यह भी बताया कि हत्या के बाद एक पत्र लिखा था। उसमें उसका कबूलनामा है।

कोशिश द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कवि सम्मेलन एवं मुशायरा संपन्न

जौनपुर। कोशिश साहित्यिक संस्था का 24वां वार्षिकोत्सव तिलकधारी महिला कालेज परिसर में आयोजित किया गया। वार्षिकोत्सव में पुस्तक विमोचन के साथ राष्ट्रीय कवि सम्मेलन एवं मुशायरा का आयोजन हुआ।दीप प्रज्वलन पश्चात डॉ. नरेंद्र पाठक के सरस्वती वंदना से शुभारंभ हुआ।अध्यक्षता वरिष्ठ शायर अहमद निसार ने किया तथा डॉ. अरुण सिंह पूर्व प्राचार्य टी.डी. कॉलेज मुख्य अतिथि रहे।कार्यक्रम के प्रारंभ में कोशिश संस्था द्वारा प्रकाशित मंजरी नामक काव्य संग्रह का विमोचन हुआ जो उपस्थित श्रोताओं के लिए कौतूहल का विषय रहा। मंजरी के साथ वरिष्ठ कवि जनार्दन प्रसाद अस्थाना के कहानी संग्रह प्रायश्चित एवं आनन्द राय द्वारा रचित रूठ गया स्नेहल संचित मन नामक काव्य संग्रह का भी विमोचन हुआ। आमंत्रित कवियों एवं उपस्थित श्रोताओं का स्वागत प्रो. आर.एन. सिंह ने किया। संस्था के उद्देश्यों पर संस्थाध्यक्ष जनार्दन प्रसाद अस्थाना ने प्रकाश डाला एवं अतिथियों के सम्मान में अशोक मिश्रा ने अपने उद्गार व्यक्त किया।विशिष्ट अतिथियों में डा.एम.पी.सिंह, डॉ.एस.बी.सिंह,डॉ.अंबिकेश्वर सिंह,डॉ.राममोहन सिंह,डॉ.ओम प्रकाश सिंह,डॉ.अजय दुबे, रामकृष्ण त्रिपाठी,पूर्व विधायक सुरेंद्र सिंह को सम्मानित भी किया गया।मिजार्पुर से लल्लू तिवारी,मऊ से डॉ. ईश्वर चंद्र त्रिपाठी,मुक्तेश्वर पाराशर,पुष्पेंद्र अस्थाना,लोक गीतों के महाकवि जगदीश पंथी,काशी हिंदू विश्वविद्यालय के विभागाध्यक्ष प्रो.अनूप वशिष्ठ ने काव्य पाठ किया तत्पश्चात कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ अरुण सिंह पूर्व प्राचार्य ने साहित्य एवं कविता की प्रासंगिकता को रेखांकित किया और इसके योगदान में कोशिश मंच के प्रयासों को खूब सराहा।कवि सम्मेलन की अध्यक्षता कर रहे मशहूर शायर अहमद निसार की शेर खूब वाहवाही बटोरी।कवि सम्मेलन के बीच-बीच में कोशिश संस्था से जनार्दन प्रसाद अस्थाना,प्रखर जौनपुरी, अशोक मिश्रा,गिरीश श्रीवास्तव, फूलचन्द भारती, एस.बी.उपाध्याय,डा. संजय सिंह सागर, रमेश चंद्र सेठ, अंसार जौनपुरी,अनिल उपाध्याय, नन्द लाल समीर, राजेश पांडेय,सुमति श्रीवास्तव, ओ.पी. खरे,ओंकार यादव, रामजीत मिश्रा, पहलवान ,बृजेश राय, मंजू पांडेय, रूपेश साथी ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया।काशी हिंदू विश्वविद्यालय के कई शोध छात्रों ने गीत और गजलों के सृजन में अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।डॉ विमला सिंह,डॉ राम अवतार सिंह,संजय सेठ,संजय उपाध्याय,डॉ सुभाष सिंह प्रधानाचार्य,डॉ शुभ्रा सिंह,डॉ संतोष सरोज, प्रेम गुप्ता, डॉ सुधा सिंह, अनिल विश्वकर्मा, आर.पी. सिंह एडवोकेट, अश्वनी तिवारी सहित अन्य अनेक संभ्रांत नागरिकों ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।संचालन सभाजीत द्विवेदी प्रखर तथा धन्यवाद ज्ञापन डा.अंबिकेश्वर सिंह ने किया।

भाजपा ने की सार्वजनिक शौचालय महिला समूहों को संचालन सौंपने की मांग

मुंबई। मुंबई शहर में बृहन्मुंबई महानगरपालिका द्वारा संचालित सार्वजनिक शौचालयों की वर्तमान स्थिति अत्यंत गंभीर है। विशेष रूप से महिलाओं के लिए स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुसज्जित शौचालयों की भारी कमी महसूस की जा रही है। रेलवे स्टेशनों तथा प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर महिलाओं को गंदगी, पानी की कमी, अपर्याप्त प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षा के अभाव जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इसी पृष्ठभूमि में रीतू तावड़े, महापौर, बृहन्मुंबई महानगरपालिका को निवेदन प्रस्तुत कर निम्नलिखित मांगें रखी गईं– शहर के सभी सार्वजनिक शौचालयों का तत्काल एवं प्राथमिकता के आधार पर निरीक्षण किया जाए। विशेष रूप से रेलवे स्टेशनों एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में महिलाओं के लिए स्वतंत्र, स्वच्छ, सुरक्षित एवं आवश्यक सुविधाओं से युक्त शौचालयों का निर्माण एवं मरम्मत की जाए। उक्त शौचालयों का संचालन स्थानीय महिला बचत समूहों को सौंपा जाए, जिससे रोजगार सृजन होगा तथा स्वच्छता एवं जिम्मेदारी की भावना अधिक प्रभावी रूप से विकसित होगी।

नियमित निरीक्षण एवं रखरखाव के लिए एक स्वतंत्र तंत्र नियुक्त किया जाए। महिलाओं के स्वास्थ्य, सुरक्षा और सम्मान से जुड़ा यह अत्यंत महत्वपूर्ण विषय है। प्रशासन से अपेक्षा की गई है कि वह इस विषय को गंभीरता से लेते हुए तत्काल आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करे। स्वच्छ मुंबई की संकल्पना को वास्तविकता में बदलने के लिए महिलाओं हेतु स्वच्छ एवं सुसज्जित सार्वजनिक शौचालयों की उपलब्धता समय की मांग है। यह मांग दक्षिण मुंबई भाजपा की जिला अध्यक्ष श्रीमती शलाका सालवी, मंडल अध्यक्षा श्रीमती आरती पुगांवकर-खुळे, जिला उपाध्यक्ष अतीत रांद्रेदिया तथा ओबीसी मोर्चा के श्री राजेश कांगणे द्वारा महापौर श्रीमती रीतू तावड़े से की गई।

द मुंबई हलचल और फ्लोरियन फाउंडेशन द्वारा द लीडिंग टॉप 30 नेशनल एक्सीलेंस अवॉर्ड्स 2026 का आयोजन

मुंबई। मुंबई में फ्लोरियन फाउंडेशन की संस्थापक अर्चना जैन और MumbÔi HÔlchÔ' के दिलशाद खान के संयुक्त प्रयास से द लीडिंग टॉप 30 नेशनल एक्सीलेंस अवॉर्ड्स 2026 का भव्य एवं गरिमामयी आयोजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर द कूट्योर पेजेस लक्जरी कॉफी टेबल बुक (लिमिटेड एडिशन) का भी विशेष विमोचन किया गया, जिसने समारोह को एक विशिष्ट पहचान प्रदान की।

यह प्रतिष्ठित कार्यक्रम Khandwani Group के सुहैल खंडवानी द्वारा प्रस्तुत किया गया तथा ळशील्ल्प्लिॅ क्ष्ीर के सहयोग से आयोजित हुआ। आयोजन में NITI AÔyog और टरटए का विशेष सहयोग रहा, जिससे कार्यक्रम की राष्ट्रीय महत्ता और भी सुदृढ़ हुई। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में महाराष्ट्र सरकार के कैबिनेट मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा एवं मंजू लोढ़ा की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन की शोभा बढ़ाई। विशिष्ट अतिथियों में राकेश अग्रवाल, श्याम सिंघानिया और संजीव गुप्ता जैसे प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को और अधिक गौरवान्वित किया। इस विशेष अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों–व्यापार, समाजसेवा, चिकित्सा, विधि, शिक्षा, मीडिया, कला और नेतृत्व–में उल्लेखनीय योगदान देने वाले 30 उत्कृष्ट व्यक्तित्वों को सम्मानित किया गया। सम्मानित हस्तियों में अर्जुन मनोज पुरोहित, किशोर जे. व्यास, तौकीर रही, असमा बटलीवाला, डॉ. अजय एल. दुबे, इस्माइल नजीर शाकूर, श्याम कांबले, अभय परपानी, जल्पा मर्चेंट, रूपिका ग्रोवर, मधु लाखोटिया, अंजलिका सोमानी मारू, प्रीति वनिगोट्टा, अपर्णा अहिरराव, रश्मि तिवारी, दैवता चव्हाण-पाटिल, अलेफिया, पवन चौहान, एडवोकेट अशोकवर्धन महेश पुरोहित, एकता जैन, प्रतिभा जैन, माही एस. मोल्ला, एडवोकेट शाहबाज खान, सीटीपीआर विपुल नरेंद्र लुथिया, डॉ. रोशन जहां, हर्षुल पटेल, हसन मकबूल मुलानी, सागर विसावड़िया, इमरान शमीम गनी, डॉ. मिथुन पालंगथोर, दीशा नंदी तथा रिशा एवं दिशा मेहरा शामिल रहे। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने समाज में सकारात्मक बदलाव, नवाचार और नेतृत्व की आवश्यकता पर जोर दिया। आयोजकों ने कहा कि ऐसे मंच उन व्यक्तित्वों को राष्ट्रीय पहचान देने का माध्यम बनते हैं, जो अपने-अपने क्षेत्रों में निरंतर उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं और समाज को नई दिशा प्रदान कर रहे हैं। द लीडिंग टॉप 30 नेशनल एक्सीलेंस अवॉर्ड्स 2026 केवल एक सम्मान समारोह नहीं, बल्कि प्रतिभा, समर्पण और सामाजिक उत्तरदायित्व का उत्सव साबित हुआ। समारोह का समापन सभी सम्मानित अतिथियों को बधाई देते हुए और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ हुआ, जिससे यह आयोजन प्रेरणा और सम्मान की एक अविस्मरणीय मिसाल बन गया।

शहीद राजाराम मिश्र की शहादत को किया गया नमन

दानिश सिद्दीकी

बक्सा ,जौनपर (उत्तरशक्ति)। विकास खंड बक्सा क्षेत्र के अंतर्गत मई ग्राम सभा में आयोजित एक श्रद्धांजलि सभा में स्वतंत्रता सेनानी शहीद राजाराम मिश्र के चरणों में पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में स्थानीय गणमान्य व्यक्तियों सहित कांग्रेस पार्टी के तमाम वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। जौनपुर जिला के कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. प्रमोद कुमार सिंह ने मंच को संबोधित करते हुए अपनी बात की शुरूआत शहीद राजाराम मिश्र को नमन करते हुए की। उन्होंने कहा कि आज का दिन गौरव और दुख, दोनों का मिला-जुला संगम है। उन्होंने इस बात पर चिंता जताई कि आज की शिक्षित युवा पीढ़ी और समाज अपनी ऐतिहासिक विरासत को भूलता जा रहा है। कांग्रेस के अध्यक्ष डॉ. प्रमोद कुमार सिंह ने कार्यक्रम के आयोजक विक्रम सिंह और देवराज पांडे की विशेष रूप से प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों के माध्यम से ही हम अपनी जड़ों से जुड़े रह सकते हैं। उन्होंने बुजुर्गों से अपील की कि वे अपने बच्चों और युवाओं को देश की आजादी के लिए शहीद हुए महापुरुषों की कहानियां सुनाएं। हमें इन शहीदों के सहारे और उनकी गौरव गाथाओं से सीख लेकर ही अपनी संस्कृति को जिंदा रखना होगा। इस आयोजन में में कांग्रेस अध्यक्ष डॉ.प्रमोद कुमार सिंह, समाजसेवी दीपक निगम, देवराज पांडे, मोहम्मद अख्तर, वनशु गुप्ता, सुरेंद्र शर्मा, सौरभ यादव, प्रभात सिंह आदि लोग उपस्थित रहे।

पांडेयपुर में नाले की जर्जर स्थिति पर संबंधित अधिकारी के खिलाफ सवाल, पार्षद का कहना है विभाग को सूचित किया गया है

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के पवित्र शहर वाराणसी के पांडेयपुर इलाके में नाले की बदहाली ने स्थानीय निवासियों का जीवन मुश्किल बना दिया है।पांडेयपुर पुलिस चौकी से सुलभ शौचालय तक फैले इस नाले की समस्या को लेकर 5 फरवरी 2026 को उत्तर प्रदेश सरकार के जनसुनवाई पोर्टल (jansunwai.up.nic.in) पर नाले के नए निर्माण की शिकायत दर्ज की गई थी।लेकिन 7 फरवरी 2026 से संबंधित विभाग द्वारा शिकायत की स्थिति को 'अनमार्क' दिखाया जा रहा है,जो अब तक 10 दिनों से अधिक समय से अपरिवर्तित है। निवासियों का आरोप है कि वाराणसी नगर निगम टैक्स वसूलने में तो सख्त है,लेकिन वास्तविक कार्य केवल कागजों पर फोटो अपलोड करके निपटाया जा रहा है। दो दिनों से नाले की ढक्कन खोली गई है,सफाई मशीन भी आई,लेकिन समस्या का कोई स्थायी समाधान नहीं हुआ। केवल ऊपरी सिल्ट हटाया गया,जबकि पूरा नाला ध्वस्त हो चुका है और नए निर्माण की सख्त जरूरत है।स्थानीय पार्षद ने इस मामले में सक्रिय रुख अपनाया है। निवासियों द्वारा पहले मौखिक रूप से सूचित करने पर उन्होंने संबंधित विभाग को तुरंत अवगत कराया था। पार्षद ने आश्वासन दिया था कि समस्या का समाधान जल्द होगा। इस बार भी उन्होंने विभाग को जानकारी दी है,लेकिन विभागीय स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। पार्षद के प्रयासों के बावजूद स्थिति जस की तस बनी हुई है,जिससे जनता में असंतोष बढ़ रहा है। निवासियों ने सवाल उठाया है कि आखिर 10 दिनों से अधिक समय से संबंधित अधिकारियों द्वारा जनसुनवाई पोर्टल पर स्थिति 'अनमार्क' क्यों रखी जा रही है? क्या जनता को धरने पर बैठना पड़ेगा तब जाकर कोई असली काम होगा?यह मामला वाराणसी नगर निगम के स्वच्छता एवं जल निकासी विभाग के संबंधित अधिकारियों की लापरवाही को उजागर करता है,जहां शिकायतें दर्ज होने के बाद भी फाइलों में दब जाती हैं। वाराणसी नगर निगम के अधिकारियों से संपर्क करने की कोशिश की गई,लेकिन कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं मिली।स्थानीय लोग मांग कर रहे हैं कि संबंधित अधिकारी के खिलाफ उचित कार्रवाई हो और नाले का नया निर्माण तत्काल शुरू किया जाए।पार्षद के निरंतर प्रयासों की सराहना करते हुए निवासी उम्मीद जता रहे हैं कि उनकी सक्रियता से जल्द ही समस्या का समाधान होगा।अन्यथा,आंदोलन की नौबत आ सकती है।

भंडारे और भजन संध्या के साथ मनाया गया श्रीशंकर संकीर्तन मंडल ट्रस्ट का 63वां वार्षिकोत्सव

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। श्रीशंकर संकीर्तन मंडल ट्रस्ट द्वारा आयोजित 63वां वार्षिकोत्सव एवं महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर ऐतिहासिक शिव बारात के उपलक्ष्य में जिला अस्पताल परिसर में भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं, मरीजों एवं उनके परिजनों को प्रसाद वितरण कर सेवा भावना का परिचय दिया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान शिव की विधिवत पूजा-अर्चना एवं संकीर्तन के साथ हुआ। उसके बाद मुंबई से आए जौनपुर के कलाकार जितेन्द्र झा ने बम बम बोल रहा है, काशी और भोले बाबा हिट कर द गीत गा के सबको झुमाया मंडल के पदाधिकारियों ने बताया कि पिछले 63 वर्षों से ट्रस्ट द्वारा महाशिवरात्रि के अवसर पर शिव बारात का आयोजन किया जाता रहा है, जो नगर की आस्था और परंपरा का प्रमुख केंद्र बन चुका है। इस वर्ष भी ऐतिहासिक शिव बारात में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। भंडारे में जिला अस्पताल में भर्ती मरीजों, तीमारदारों तथा आमजन को ससम्मान प्रसाद वितरित किया गया। सेवा कार्य में ट्रस्ट के सदस्यों के साथ-साथ युवाओं ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। पूरे आयोजन के दौरान श्रद्धा, भक्ति और सेवा का भाव देखने को मिला। ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने कहा कि भगवान शिव की कृपा से यह आयोजन निरंतर सफलतापूर्वक संपन्न हो रहा है और भविष्य में भी समाज सेवा एवं धार्मिक आयोजनों के माध्यम से जनसेवा का कार्य जारी रहेगा। कार्यक्रम में नगर के गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही और सभी ने इस पहल की सराहना की।

यूपी बोर्ड परीक्षा के पहले ही दिन 7165 परीक्षार्थी रहे अनुपस्थित

-कड़ी सुरक्षा व्यवस्था में 206 केन्द्रों पर हुई परीक्षा

- सुबह की पाली में हाईस्कूल और शाम की पाली में इण्टर के छात्रों की हुई परीक्षा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। यूपी बोर्ड परीक्षा 2026 के पहले ही दिन बुधवार को 7 हजार 165 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। 206 परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम किए गए थे। सुबह की पाली में हाईस्कूल और शाम की पाली में इंटर के छात्रों की परीक्षा थी। जानकारी के अनुसार यूपी बोर्ड परीक्षा 2026 के पहले दिन बुधवार को पहली पाली में हाईस्कूल के छात्रों का हिन्दी विषय का प्रश्न पत्र था। इसके लिए 76 हजार 848 छात्र–छात्राएं पंजीकृत थे जिसमें 73 हजार 154 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। तीन हजार 694 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। शाम की पाली में इंटर के छात्रों का हिन्दी विषय का प्रश्न पत्र था। इसके लिए 33 हजार 745 परीक्षार्थी पंजीकृत थे जिसमें 32 हजार 184 उपस्थित पाए गए। शेष एक हजार 561 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। वहीं सामान्य हिन्दी विषय के लिए 41 हजार 244 परीक्षार्थी पंजीकृत थे जिसमें 39 हजार 334 उपस्थित रहे। शेष एक हजार 910 परीक्षार्थी अनुपस्थित पाये गये।

विधानसभा में मड़ियाहूँ के विकास की गूंज, डॉ. आर. के. पटेल ने उठाईं अहम मांगें

मड़ियाहूँ, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मड़ियाहूँ विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ.आर. के. पटेल ने उत्तर प्रदेश विधानसभा भवन, लखनऊ में वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट पर चर्चा के दौरान अपने क्षेत्र की जनसमस्याओं और विकास से जुड़ी कई महत्वपूर्ण मांगों को प्रमुखता से सदन में उठाया। उन्होंने प्रदेश सरकार के बजट को जनहितकारी, संतुलित एवं विकासोन्मुखी बताते हुए कहा कि यह ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के समग्र विकास में सहायक सिद्ध होगा। चर्चा के दौरान विधायक ने मड़ियाहूँ में महिलाओं की उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए महिला महाविद्यालय अथवा विद्यालय की स्थापना की मांग की। उन्होंने मड़ियाहूँ बाईपास पर रेलवे ओवरब्रिज (फ्ङ्ग) निर्माण की आवश्यकता बताते हुए कहा कि इससे जाम और दुर्घटनाओं की समस्या से स्थायी समाधान मिलेगा। इसके साथ ही उन्होंने मछलीशहर को नया जिला घोषित करने की मांग दोहराते हुए कहा कि इससे प्रशासनिक कार्यों में तेजी आएगी और क्षेत्र का विकास होगा। ठाठर ग्राम सभा में 220/132 केवी विद्युत उपकेंद्र की स्थापना, वसुही नदी किनारे वृक्षारोपण अभियान तथा मुकुंदपुर के पास जफराबादझ्रजंघई मार्ग पर अंडरपास निर्माण की मांग भी उन्होंने उठाई। विधायक ने प्रस्तावित खेल परिसर के लिए सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इससे युवाओं को बेहतर अवसर मिलेंगे। उन्होंने उम्मीद जताई कि सरकार इन मांगों पर सकारात्मक निर्णय लेकर मड़ियाहूँ के विकास को नई दिशा देगी।

नाविकों ने किराए की बात को लेकर आपस में किया मारपीट, 05 घायल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर क्षेत्र के गोमती नदी गोपी घाट पर नाव पर कम किराया लेने की बात पर दो-नाविक चलने वाले पक्षो ने ईट पत्थर से मारपीट कर लिया जिसमें पांच लोग जख्मी हो गए। यह तो अच्छा हुआ नाव पर रखे रहने वाले चाकुओं को लोगों ने उठाया लेकिन एक दूसरे पर वार करने के पहले ही झगड़ा छुड़ाने वाले और मौके पर पुलिस पहुंच गई। पहुंचे लोगों ने मामला शांत करा दिया नहीं तो दोनों पक्षों की तरफ से लोग गंभीर रूप से घायल होते। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक शहर कोतवाली क्षेत्र के नखास मोहल्ला निवासी शिवम निषाद उम्र लगभग 18 वर्ष प्रदीप निषाद उम्र लगभग 21 वर्ष पुत्रगण फूलचंद निषाद ने बुधवार दोपहर गोमती नदी गोपीघाट से अपनी नाव पर कुछ लोगों में सैर कराने के लिए 40 रुपये पर आदमी का किराया तय करने के बाद बैठा कर जाने लगा। यह देख विपक्षी आकाश उम्र लगभग 23 वर्ष विकास उम्र लगभग 21 वर्ष पुत्र गण दीपक निषाद, विकास निषाद उम्र लगभग 22 वर्ष पुत्र घनश्याम ने सैर कराने के लिए नाव में 50 रुपये प्रति व्यक्ति तय किया था। इसी बात को लेकर दोनों में ईट पत्थर चलने लगे जिसमें दो लोगों के घायल होने के साथ तीन लोगों को मामूली चोटे आई। इस दौरान घाट पर नाव पर सैर करने वालों के अलावा मौजूद लोगों में अपराध अधूरी का माहौल उत्पन्न हो गया। जबकि नव की चलने वाली पंखे में कुछ फस जाने पर चाकू से काटने के लिए रखे चाकूओं को लोगों ने उठाया जरूर लेकिन एक दूसरे के ऊपर चलाने के पहले ही स्थानीय लोगों के अलावा मौके पर कोबारा के जवान पहुंच कर दोनों पक्षों को कोतवाली लेकर पहुंचे। यहां पर दोनों पक्षों के घायल लोगों को शांति भंग में निरुद्ध करने के बाद पुलिस ने चालान कर न्यायालय भेज दिया। सूत्रों की माने तो वर्तमान समय में गोमती नदी में लगभग 15 नाव है जिस पर सैर करने के लिए लोग। त्योहारों के अलावा रोजाना नाव पर बैठकर सैर करने वालों की काफी संख्या। और लोगों से किराए की बात को लेकर अक्सर कर नाविक आपस में मारपीट एवं झगड़ा करते रहते हैं जिसकी लोग काफी चर्चा भी करते हैं। नाव पर सैर करने आने वाले लोगों का यह मानना है कि अगर समय रहते पुलिस ने। इस ओर ध्यान नहीं दिया तो वह दिन दूर नहीं जब कोई अप्रिय घटना घट जाए।

एनवीडिया डीजीएक्स स्पार्क और नेमोट्रॉन के साथ लेक्सलेजिस एआई ने पेश किया ऑन-डेस्क कानूनी एआई सिस्टम

मुंबई। उद्देश्य के साथ तैयार किए गए वैश्विक लीगल एआई प्लेटफॉर्म लेक्सलेजिस एआई ने आज लेक्सलेजिस ऑन-डेस्क के लॉन्च की घोषणा की। यह एक एयर-गैप्ड, ऑन-डिवाइस कानूनी इंटेलिजेंस सिस्टम है। यह प्लेटफॉर्म एनवीडिया डीजीएक्स स्पार्क और एनवीडिया नेमोट्रॉन द्वारा संचालित है, और इसे आगे भी डोमेन-विशेष प्रदर्शन को और बेहतर बनाने के लिए फाइन-ट्यून किया जाएगा। लेक्सलेजिस ऑन-डेस्क उपयोगकर्ता की डेस्क पर ही लगे एनवीडिया ग्रेस ब्लैकवेल श्रेणी के एआई सुपरकंप्यूटर का इस्तेमाल करता है, जिससे क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर या इंटरनेट कनेक्टिविटी पर निर्भर हुए बिना लगातार और उच्च-प्रदर्शन वाला कानूनी एआई उपलब्ध कराया जा सके। पूरी तरह ऑफलाइन काम करने के लिए डिजाइन किया गया यह प्लेटफॉर्म सबसे कड़े गोपनीयता और सरकारी नियमों से जुड़े मानकों को पूरा करता है, जिससे यह ऐसे कानूनी कार्यों के लिए आदर्श बन जाता है जहाँ डेटा का जरा सा भी जोखिम स्वीकार्य नहीं होता।

लगातार अपडेट किए जाने वाले कानूनों, न्यायिक फैसलों और सरकारी नियमों से जुड़े दस्तावेजों के व्यापक संग्रह पर आधारित लेक्सलेजिस एआई कानूनी दस्तावेजों के साथ उन्नत स्तर पर काम करने और ड्राफ्टिंग की सुविधा देता है। ऑन-डेस्क संस्करण में ये सभी क्षमताएँ पूरी तरह ऑफलाइन चलती हैं, जिससे कानूनी पेशेवर अपने दस्तावेज सीधे अपनी डेस्क पर ही तैयार और विश्लेषित कर सकते हैं, और कोई भी डेटा कभी सिस्टम से बाहर नहीं जाता। एनवीडिया डीजीएक्स स्पार्क और एनवीडिया नेमोट्रॉन मॉडल्स से संचालित, जिन्हें खास तौर पर कानूनी विश्लेषण के लिए अनुकूलित किया गया है, लेक्सलेजिस ऑन-डेस्क कई महत्वपूर्ण उपयोगों को सुरक्षित रूप से संभालने में सक्षम है। इसमें न्यायालय और न्यायाधीश शामिल हैं, जहाँ आदेश और फैसलों का सुरक्षित ड्राफ्ट तैयार किया जाता है और गोपनीय या संवेदनशील मामलों को संभाला जाता है; सरकारी और नियामकीय संस्थाएँ, जहाँ स्वामित्व वाले और रणनीतिक डेटा की सुरक्षा जरूरी होती है; एंटरप्राइज लीगल और कंप्लायंस टीमें, जो उच्च जोखिम वाले मुकदमों और जटिल कानूनी लेन-देन का प्रबंधन करती हैं, चाहे वह लॉ फर्म हों या इन-हाउस काउंसल; और महत्वपूर्ण अवसंरचना से जुड़े संगठन, जहाँ ऑफलाइन और एयर-गैप्ड संचालन अनिवार्य होता है। लेक्सलेजिस एआई के संस्थापक साकर यादव ने कहा आज कानूनी पेशेवरों को ऐसे एआई सिस्टम की जरूरत बढ़ती जा रही है, जिन पर वे सिर्फ सटीकता के लिए ही नहीं, बल्कि अपने डेटा पर पूरी तरह नियंत्रण के लिए भी भरोसा कर सकें। लेक्सलेजिस ऑन-डेस्क विश्वस्तरीय प्रदर्शन को पूरी गोपनीयता के साथ जोड़कर कानूनी एआई की तैनाती की परिभाषा बदल देता है, जिससे संस्थाएँ सबसे संवेदनशील कानूनी माहौल में भी पूरे भरोसे के साथ काम कर सकती हैं,ह्व लेक्सलेजिस एआई के संस्थापक साकर यादव ने कहीं।

एनवीडिया में ईएमईएआई स्टार्टअप्स और वेंचर कैपिटल के निदेशक टोबियास हैलोरन ने कहा भारत का एआई स्टार्टअप इकोसिस्टम तेजी से आगे बढ़ने के लिए पूरी तरह तैयार है, जिसे बेहतरीन तकनीकी प्रतिभा और वैश्विक सोच आगे बढ़ा रही है एनवीडिया इस रफ्तार को और तेज कर रहा है, ताकि संस्थापकों को तेज कंप्यूटिंग, स्केलेबल एआई इन्फ्रास्ट्रक्चर, और एनवीडिया इनसेप्शन जैसे स्टार्टअप प्रोग्राम तथा एनवीडिया वीसी एलायंस तक सीधी पहुंच मिल सके–जिससे स्टार्टअप्स तेजी से विस्तार कर सकें और वैश्विक बाजारों के लिए समाधान तैयार कर सकें। एंटरप्राइज और संस्थागत उपयोग से आगे बढ़ते हुए, लेक्सलेजिस एआई न्याय व्यवस्था के भीतर मौजूद बड़े और लंबे समय से चले आ रहे मुद्दों को हल करने के लिए भरोसेमंद और समझने योग्य कानूनी एआई का इस्तेमाल कर रहा है।

महेश सरवणकर ने अस्पतालों में ब्लड टेस्ट रिपोर्ट मिलने में हो रही देरी पर जताई चिंता

वसई विरार। वसई विरार सिटी नगर निगम के अस्पतालों में ब्लड टेस्ट रिपोर्ट मिलने में हो रही देरी पर नगरसेवक महेश सरवणकर ने चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि मेडिकल हेल्थ डिपार्टमेंट द्वारा संचालित अस्पतालों में मरीजों को ब्लड टेस्ट की रिपोर्ट प्राप्त करने में 15 से 20 दिन का समय लग रहा है, जिससे बीमारियों के सही और समय पर निदान में बाधा उत्पन्न हो रही है।

भारतीय जनता पार्टी के वसई रोड मंडल के अध्यक्ष और नव-निर्वाचित नगरसेवक महेश सरवणकर ने नगर निगम आयुक्त से इस गंभीर मुद्दे पर तत्काल ध्यान देने की मांग की है। उनका कहना है कि इस लंबी प्रतीक्षा अवधि के कारण मरीजों का इलाज प्रभावित हो रहा है और यह नागरिकों के स्वास्थ्य के साथ गंभीर खिलवाड़ के समान है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब नगर निगम के अस्पतालों में उपचार के लिए आने वाले आम नागरिकों को जब ब्लड टेस्ट रिपोर्ट 15 से 20 दिन बाद मिलती है, तो बीमारी का सही आकलन समय पर नहीं हो पाता। इससे इलाज में देरी होती है और मरीजों को अनावश्यक परेशानी झेलनी पड़ती है। नगरसेवक ने मांग की है कि ब्लड टेस्ट केंद्रों की कार्यप्रणाली की समीक्षा कर रिपोर्ट जल्द उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं, ताकि नागरिकों को समय पर और प्रभावी स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें।

वसई रोड के अंबाडी रोड 60 फीट रोड स्थित ईजी टॉयलेट की हालत गंभीर, तुरंत कार्रवाई की मांग

वसई। वसई रोड अंबाडी रोड 60 फीट रोड के सामने स्थित ईजी टॉयलेट की हालत बदतर हो चुकी है। यह टॉयलेट वसई विरार महानगर पालिका के हस्तांतरण में है, लेकिन यहां मैनेजमेंट की भारी लापरवाही साफ नजर आ रही है। स्थानीय नागरिकों के अनुसार, टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बावजूद नए प्रबंधन की व्यवस्था न होने के कारण टॉयलेट पूरी तरह से नजरअंदाज स्थिति में पड़ा है। नियमित सफाई नहीं होने से तेज दुर्गंध फैल रही है, जिससे आसपास रहने वाले लोगों और राहगीरों की सेहत पर बुरा असर पड़ रहा है। टॉयलेट के ठीक सामने नाश्ते और पानी के स्टॉल लगाए जा रहे हैं, जिससे संक्रमण और बीमारियों के फैलने का खतरा और बढ़ गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह स्थिति प्रशासन की गंभीर लापरवाही को दर्शाती है। वसई के सामाजिक कार्यकर्ता एवं भाजपा नेता मनोज गुप्ता ने प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि नया टेंडर प्रोसेस तुरंत पूरा किया जाए। नियमित सफाई और मेंटेनेंस तत्काल शुरू किया जाए। संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों की जांच कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए तो नागरिकों को जन आंदोलन और उच्च स्तरीय शिकायत का रास्ता अपनाना पड़ेगा। मनोज गुप्ता ने स्पष्ट कहा कि यदि गंदगी की यह स्थिति जारी रही तो वे जन आंदोलन के माध्यम से सफाई करवाने के लिए बाध्य होंगे। यदि आप चाहें तो मैं इसे और अधिक आक्रामक, राजनीतिक या प्रेस-रिलीज फॉर्मेट में भी तैयार कर सकता हूँ।

यदुवंशी समाज सेवा संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने मुलुंड मेट्रो घटना पर शोक व्यक्त किया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। यदुवंशी समाज सेवा संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष शशिकांत बलराम यादव ने मुलुंड में निमार्णाधीन मेट्रो के पिलर का हिस्सा गिरने से जहां एक व्यक्ति की मौत और दो गंभीर रूप से घायल हो गए, उस घटना पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए शोक संवेदना व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि मुंबई जैसे महानगर में व्यस्त सड़कों पर इस तरह से कंस्ट्रक्शन का काम लापरवाही पूरी तरह साबित होती है। उन्होंने कहा कि सरकार के ढीले रवैया और कंस्ट्रक्शन कंपनी की लापरवाही से एक खुशहाल परिवार पूरी तरह डूब गया। उन्होंने कहा कि समाज के लोगों द्वारा अथक परिश्रम के बाद किसी तरह प्रशासन जो आर्थिक सहयोग प्रदान किया है वह भी उस परिवार के लिए पर्याप्त नहीं है। क्योंकि मृतक के परिवार में कोई देख-रेख करने वाला अब नहीं बचा है। केवल उनकी तीन बच्चियां और विधवा पत्नी ही बची है। श्री यादव ने दुख व्यक्त करते हुए ईश्वर से प्रार्थना किया कि मृतक की आत्मा को शांति प्रदान करने के साथ-साथ पीड़ित परिवार को इस दुख की घड़ी में सहनशक्ति मिले।

ट्विंकल स्टार इंग्लिश हाई स्कूल एवं जूनियर कॉलेज में विद्यार्थियों का विदाई समारोह सम्पन्न

मुख्य अतिथि अजय प्रजापति ने बच्चों को मेडल व ट्राफी देकर किया सम्मानित

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। नालासोपारा स्थित ट्विंकल स्टार इंग्लिश हाई स्कूल एवं जूनियर कॉलेज में विद्यार्थियों के लिए भावुक और गरिमामय विदाई समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम नालासोपारा ईस्ट के संतोष भवन, शमार्वाड़ी में संपन्न हुआ, जहाँ स्कूल प्रबंधन, शिक्षकगण और अभिभावक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती वंदना से हुई। इसके पश्चात जूनियर विद्यार्थियों ने सीनियर छात्रों के सम्मान में रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं, जिससे माहौल उत्साह और भावनाओं से भर गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर अजय प्रजापति समाजसेवी मौजूद रहे। कार्यक्रम में शामिल सभी बच्चों को मुख्य अतिथि द्वारा ट्रॉफी व मेडल देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की और जीवन में अनुशासन, परिश्रम एवं ईमानदारी के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने स्कूल के शिक्षक व प्रधानाचार्य सहित संचालक को भी धन्यवाद देते हुए कहा कि आप लोगों की कड़ी मेहनत एवं अनुशासन की देन है कि बच्चे सफल होकर आगे बढ़ रहे हैं। शिक्षकों ने भी अपने आशीर्वचन में छात्रों को आगामी परीक्षाओं के लिए शुभकामनाएँ दीं। विदाई समारोह के दौरान कई विद्यार्थियों ने अपने स्कूल जीवन के अनुभव साझा किए, जिससे उपस्थित सभी लोग भावुक हो उठे। अंत में विद्यार्थियों को स्मृति-चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया और उनके सफल भविष्य की कामना के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। विद्यालय परिवार ने सभी विद्यार्थियों को आगामी परीक्षाओं और जीवन की नई यात्रा के लिए ढेरों शुभकामनाएँ दीं।

भारतीय जनता पार्टी की नेता फरजाना ने बहुजन विकास आघाड़ी का दामन थामा

वसई-विरार। वसई विरार शहर जिला में भारतीय जनता पार्टी को उस समय झटका लगा जब पार्टी की सक्रिय और लोकप्रिय नेता फरजाना ने भारी मन से भाजपा को अलविदा कहकर बहुजन विकास आघाड़ी (बविआ) में शामिल होने की घोषणा की।

फरजाना पिछले कई वर्षों से वसई-विरार शहर जिला भाजपा में अहम पदों की जिम्मेदारी संभाल रही थीं। पेल्हार जैसे क्षेत्र में रहकर उन्होंने अल्पसंख्यक समाज के बीच भाजपा की पहचान मजबूत करने का कार्य किया। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से उनके अच्छे राजनीतिक संबंध रहे हैं, जिसके चलते वे सभी वर्गों में लोकप्रिय मानी जाती हैं। बताया जा रहा है कि पिछले महानगरपालिका चुनाव में उन्हें कोई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी नहीं दी गई, जिससे वे स्वयं को उपेक्षित महसूस कर रही थीं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि उनका यह कदम भाजपा के अंदरूनी कलह को भी उजागर करता है।

फरजाना ने कम समय में ही सबका साथ, सबका विकास के मूल मंत्र के साथ काम करते हुए कई सामाजिक और जनसेवा के कार्यों को अंजाम दिया। स्थानीय स्तर पर उनकी पहचान एक सक्रिय और जनसंपर्क वाली नेता के रूप में रही है। राजनीतिक सूत्रों के अनुसार, भाजपा में अन्य असंतुष्ट नेताओं के भी पार्टी छोड़ने की चर्चाएं चल रही हैं। इस घटनाक्रम के बाद वसई-विरार की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। बहुजन विकास आघाड़ी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने फरजाना का स्वागत करते हुए उन्हें नई राजनीतिक पारी के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

दर्जन भर से अधिक डंफर गाड़ियों का सड़क पर रहता है कब्जा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय नेशनल हाईवे 135-ए पर बन रहा शाहगंज निमार्णाधीन बाईपास कंस्ट्रक्शन के वाहन के चलते दर्जन भर से अधिक स्कूली बसें जाम के चंगुल में फंस जा रही है। ढंढवारा- आजाद संपर्क मार्ग पर कंस्ट्रक्शन की दर्जन भर से अधिक वाहनों का सिंगल सड़क पर सुबह ही कब्जा हो जाता है। जिससे हालात बेपटरी हो जा रही है। घण्टो इंतजार के बाद बच्चे स्कूल पहुँच रहे है, जिससे उनका पठन पाठन प्रभावित हो रहा है । इस मार्ग पर एक दर्जन स्कूल के स्कूली बस का पहिया आकर थम जा रहा है । ढंढवारा गांव में बाईपास निर्माणधीन है। कंस्ट्रक्शन के लिए गिट्टी, बालू व अन्य सामान पहुचाँने के लिए दर्जनों डंफर यहां पहुँच रहे है । सुबह 9 बजे ही वाहनों के आने का सिलसिला शुरू होता है तो अपराह्न तीन बजे के आसपास निर्बाध ढंग से जारी रहता है। क्षेत्र पंचायत सदस्य वाकिब ने बताया कि इस सिंगल रोड पर दिन भर कब्जा रहता है। जिससे स्कूली वाहने और ग्रामीण प्रभावित हो जाते है। कंस्ट्रक्शन के लिए वाहनों को आबादी से बाहर वाले अन्य मार्ग से गाड़ियों को गुजारे। वही ग्रामीणों का कहना है कि बाईपास कंट्रक्शन के काम के लोगों के स्वास्थ्य पर गहरा असर पड़ रहा है। लोगों ने एनएचएआई से सड़क के किनारे सम्पर्क मार्ग पर पानी का छिड़काव का मांग किया है। पिछले दिनों आए कंस्ट्रक्शन के डीपीएम राजेश वर्मा को भी ग्रामीणों ने समस्या से अवगत कराया।

हाउस ऑफ स्वामीराज के प्रीमियम 2BHK प्रोजेक्ट ZENITH की सभी प्रॉपर्टी दो दिन में बिक गईं

ठाणे। हाउस ऑफ स्वामीराज ने पोखरण रोड नंबर 1, वर्तक नगर, ठाणे वेस्ट में प्रीमियम 2BHK रेजिडेंशियल प्रोजेक्ट एठक्ळ्ल के सफल लॉन्च की घोषणा की है। इस प्रोजेक्ट को घर खरीदने वालों से जबरदस्त प्रक्रिया मिली और यह 48 घंटों के अंदर सोल्ड ऑउट (बिक गया) हो गया। इससे 119 करोड़ की बिक्री हुई। इस बिक्री से सोच-समझकर डिजाइन किए गए और वेलनेस पर ध्यान देने वाले शहरी घरों की जबरदस्त डिमांड का पता चलता है। लगभग 152 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट वैल्यू के साथ ZENITH योग और मेडिटेशन डेक, रिफ्लेक्सोलॉजी पाथ, ओपन-एयर जिम, जॉगिंग और वॉकिंग ट्रैक, सीटिंग पॉड्स वाला स्काई लाउंज, बारबेक्यू और पार्टी जोन, स्टार गेजिंग डेक, जेन गार्डन, सीनियर सिटिजन के बैठने की जगह, और पूरी तरह से इक्विप्ड जिम जैसी सुविधाओं की एक ध्यान से चुनी गई रेंज के जरिए एक बेहतर लाइफस्टाइल देता है। ये सुविधाएं फिजिकल और मेंटल वेलबीइंग को मजबूत करने के लिए डिजाइन की गई हैं, जो उन मॉडर्न परिवारों के लिए हैं जो एक बैलेंस्ड लाइफस्टाइल चाहते हैं। यह डेवलपमेंट हाउस ऑफ स्वामीराज के कन्वेंशनल हाउसिंग से अलग घर बनाने के समर्पण को दिखाता है। सफल लॉन्च पर कमेंट करते हुए हाउस ऑफ स्वामीराज के मैनेजिंग डायरेक्टर जेसन सैमुअल ने कहा, एक घर ज़िंदगी भर की सबसे कीमती यादों का बैकग्राउंड होता है। ZENITH को डिजाइन करते समय, हमारा विजन एक ऐसी जगह बनाना था जो बियॉन्ड डाइमेंशन्स का अनुभव दे। चाहे वह आसान कनेक्टिविटी की वजह से जल्दी घर पहुँचना हो या जॉगिंग ट्रैक पर शांति के पल बिताना हो, हम एक ज्यादा मीनिंगफुल ज़िंदगी के लिए एक मंच बना रहे हैं। ठाणे वेस्ट में खास जगह पर मौजूद, ZENITH शहर के खास हिस्सों से बहुत अच्छी तरह जुड़ा हुआ है, जो इसे उन परिवारों के लिए एक अच्छा ऑप्शन बनाता है जो शहर की सुविधा और शांत ज़िंदगी का संतुलन बनाना चाहते हैं।

दक्षिणा काली मंदिर का 42 वां स्थापना दिवस व श्रृंगारोत्सव सम्पन्न

जौनपुर। नगर के सिटी स्टेशन रेलवे क्रॉसिंग के निकट ओवरब्रिज के पास स्थित श्री मां आद्याशक्ति दक्षिणा काली मंदिर का 42वां वार्षिक द्विदिवसीय स्थापना दिवस एवं भव्य श्रृंगारोत्सव सोमवार की सायंकाल धूमधाम के साथ सम्पन्न हो गया। कार्यक्रम का समापन विशाल भंडारे के साथ हुआ, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने महाप्रसाद ग्रहण किया।

मंदिर परिसर को आकर्षक फूल-मालाओं और रोशनी से सजाया गया। मां काली का अलौकिक श्रृंगार श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहा। सुबह से लेकर देर रात तक दर्शनार्थियों का तांता लगा रहा। सायंकाल हवन-पूजन एवं पूणार्हुति में श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

मंदिर के प्रधान पुजारी भगवती सिंह वागीश ने बताया कि काली कलयुग की अधिष्ठात्री पराशक्ति हैं। कलयुग में मां काली के श्रृंगार दर्शन-पूजन से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। उन्होंने बताया कि मंदिर की स्थापना सन 1984 में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर की गई थी। सायंकाल आयोजित भजन संध्या का शुभारंभ मंदिर के पुजारी भगवती सिंह, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष दिनेश टंडन, मुंबई शिवसेना उपाध्यक्ष संतोष सिंह एवं पूर्व प्राचार्य टी डी कॉलेज समर बहादुर सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर बैंक महाप्रबंधक विजेंद्र सिंह, डॉ. सुभाष सिंह, वरिष्ठ सर्जन डॉ. लाल बहादुर सिद्धार्थ, डॉ. लाल जी प्रसाद एवं सपा नेता अजय त्रिपाठी ने कलाकारों को चुनरी ओढ़ाकर सम्मानित किया। एक्टर व गायक जितेंद्र झा ने जय काली जय काली कलकत्ते वाली, तोरे धमवा में बलमा मोर हरेलइल तथा बम बम बोल रहा है काशी जैसे गीत प्रस्तुत कर देर रात तक दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। गायक अभिषेक मयंक ने देवी गीतों की मनमोहक प्रस्तुति दी, जबकि आशीष पाठक अमृत, सरदार सुराज सिंह एवं पिंटू शेख के गीतों पर भी श्रोता झूम उठे। राजकुमार चौहान सिकंदर जौनपुरिया एवं सोनू द्वारा प्रस्तुत कृष्ण-सुदामा की झांकी ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। गहना कोठी फर्म द्वारा श्रद्धालुओं को बुनिया का प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम का संचालन गोविंद मिश्रा ने किया। इस अवसर पर कृषि वैज्ञानिक डॉ. सुरेश कनौजिया, डॉ. अजय पांडेय, डॉ. गौरव मौर्य, डॉ. संजीव पी. पांडेय, डॉ. बृजेश कनौजिया, भाजपा जिला महामंत्री पियूष गुप्ता, सोमेश्वर केसरवानी, ओम प्रकाश जायसवाल, संकठा प्रसाद पांडेय, भानू मौर्य, दल श्रृंगार विश्वकर्मा, अमित निगम, विक्रम गुप्ता एवं रामपाल विश्वकर्मा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत देवेश सिंह व सर्वेश सिंह सोनू ने किया तथा आभार वंदेश कुमार सिंह ने व्यक्त किया।

आरती के समय हंगामा! बैरिकेडिंग फांद गर्भगृह की ओर बढ़ा युवक

वाराणसी। बाबा धाम में सुरक्षा व्यवस्था और अनुशासन को लेकर उठे विवाद के बीच श्री काशी विश्वनाथ मंदिर प्रशासन ने पूरे घटनाक्रम का सीसीटीवी फुटेज और स्क्रीनशॉट सार्वजनिक कर दिए हैं। जारी साक्ष्यों में कथित आरोपी व्यक्ति मंदिर परिसर में बैरिकेडिंग फांदते हुए और सुरक्षा कर्मियों से झड़प करते हुए नजर आ रहा है। मंदिर प्रशासन का दावा है कि यह घटना आरती के दौरान हुईए जब श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बीच सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने का प्रयास किया गया।

आरती के दौरान नियम तोड़ने की कोशिश

मंदिर प्रशासन के अनुसार आरती के समय गर्भगृह के आसपास सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरती जाती है। इसी दौरान एक व्यक्ति ने अचानक बैरिकेडिंग पार कर अंदर प्रवेश करने की कोशिश की। सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात कर्मियों ने उसे रोकने का प्रयास कियाए लेकिन वह व्यक्ति जबरन आगे बढ़ने लगा। प्रशासन का कहना है कि इसी दौरान सुरक्षा कर्मियों और आरोपी के बीच धक्का.मुक्की और झड़प की स्थिति बनी। मंदिर प्रशासन द्वारा जारी सीसीटीवी फुटेज और स्क्रीनशॉट में व्यक्ति को स्पष्ट रूप से बैरिकेडिंग फांदते और सुरक्षा घेरा तोड़ने का प्रयास करते हुए देखा जा सकता है। प्रशासन ने कहा कि यह साक्ष्य यह साबित करने के लिए पर्याप्त हैं कि मंदिर कर्मचारियों ने नियमों के अनुरूप कार्रवाई की और किसी प्रकार का शारीरिक या मौखिक दुर्व्यवहार नहीं किया गया। मंदिर न्यास का कहना है कि इस घटना के बाद कुछ सोशल मीडिया प्लेटफार्म और मीडिया माध्यमों में एकपक्षीय जानकारी प्रसारित कर मंदिर प्रशासन पर आरोप लगाए गएए जिससे श्रद्धालुओं के बीच भ्रम की स्थिति बनी। न्यास ने स्पष्ट किया कि सामान्यतः वह इस तरह के आरोपों पर प्रतिक्रिया नहीं देताए लेकिन लगातार मिथ्या तथ्यों के प्रसार के कारण इस बार साक्ष्य सार्वजनिक करना आवश्यक हो गया। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि मंदिर की व्यवस्थाए सुरक्षा और श्रद्धालुओं की आस्था से किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यदि साक्ष्य जारी होने के बाद भी मंदिर की छवि धूमिल करने का प्रयास किया गया तो संबंधित लोगों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाएगी।

अनुशासन और श्रद्धा बनाए रखने की अपील

मंदिर प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि बाबा के दरबार में नियमों और अनुशासन का पालन करेंए जिससे सभी भक्तों को सुगम और सुरक्षित दर्शन का लाभ मिल सके। साथ ही भगवान विश्वनाथ से सभी श्रद्धालुओं के कल्याण और सद्बुद्धि की कामना की गई है।

पीएनबी ने डीएफएस परिसर में सैलरी अकाउंट फैसिलिटेशन कैंप का आयोजन किया

मुंबई। सार्वजनिक क्षेत्र में भारत के अग्रणी बैंकों में से एक, पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी) द्वारा वित्तीय सेवा विभाग, वित्त मंत्रालय, दिल्ली में सैलरी अकाउंट फैसिलिटेशन कैंप का आयोजन किया। डीएफएस की पहल पर इस कैंप का उद्देश्य केंद्र सरकार के कर्मचारियों को उनके कार्यस्थल पर ही निर्बाध बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराना है। उपस्थित लोगों को माननीय डीएफएस सचिव एम. नागराजू और पीएनबी के एमडी एवं सीईओ अशोक चंद्र ने संबोधित किया। इस अवसर पर डीएफएस की संयुक्त सचिव श्रीमती शालिनी पंडित, डीएफएस के संयुक्त सचिव मनोज मुत्ताथिल अय्यप्पन, डीएफएस के डीडीजी चंद्रदीप कुमार झा, पीएनबी के कार्यपालक निदेशक बिभु प्रसाद महापात्र एवं डीएफएस सहित बैंक के अन्य वरिष्ठ अधिकारी की भी गरिमामयी उपस्थित रही ।

डीएफएस की पहल के तहत सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने केंद्रीय कर्मचारियों के लिए विशेष 'कस्टमाइज्ड सैलरी पैकेज' पेश किए हैं, जो केंद्र सरकार के कर्मचारियों को वित्तीय सुविधा और पारिवारिक सुरक्षा दोनों प्रदान करते हैं। इस अवसर पर वित्तीय सेवा विभाग के सचिव एम. नागराजू ने कहा कि यह पहल केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों तक वित्तीय सेवाओं की प्रभावी पहुंच सुनिश्चित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दशार्ती है। उन्होंने एकीकृत बैंकिंग समाधान विकसित करने में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के समन्वित प्रयासों की सराहना की और केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों से शिविर में सक्रिय रूप से भाग लेने और वेतन खाता पैकेजों का लाभ उठाने का आग्रह किया।

उपस्थित समूह को संबोधित करते हुए पीएनबी के एमडी एवं सीईओ अशोक चंद्र ने कहा, डीएफएस की पहल पर सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के द्वारक व्यापक 'सैलरी अकाउंट पैकेज' पेश किया जाना हर्ष का विषय है । इसे सरकारी कर्मचारियों को बैंकिंग सुविधा, वित्तीय सुरक्षा, बीमा संरक्षण और मूल्य वर्धित सेवाएं प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह कैंप सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों द्वारा साझेदारी में सुलभ और कर्मचारी-केंद्रित बैंकिंग समाधान प्रदान करने की प्रतिबद्धता को दशार्ता है।